

**DIRECTORATE OF EDUCATION  
VOCATIONAL EDUCATION BRANCH  
GOVERNMENT OF NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI**

**ROOM NO. 201-207, 2ND FLOOR, SCIENCE CENTRE, LINK ROAD, KAROL  
BAGH, NEW DELHI-110005**

---

**SUPPORT MATERIAL**

Skill Subject: Health Care

(Subject Code: 413)

Class: X

Medium: Hindi

**SUPPORT MATERIAL HEATHCARE CLASS X**

<b>Subject Code - HEALTH CARE (413)</b>						
Vocational Coordinator Name: Satish Dhaka				Email ID: coordinator2.delhi@skilltree.org.in		
S.No.	UNIT Name	Topic / Sub-Topic	Prepared By (Name of Vocational Trainer)	School Name	Email ID	Checked By
1	Hospital Structure and function	Hospital delivery system	Devender	GGSSS NO 1 - MOLARBAND, DELHI	ggsss1925401@gmail.com	Satish Dhaka
		Role and functions/ Department of hospital	Pooja	GSKV MOLAR BAND NEW DELHI	skvmolarband@gmail.com	Satish Dhaka
		Understanding the qualities of a general duty assistant/patient care assistant	Parul	Govt. Co-Ed S.V Sec-2, Rohini Delhi	1413006zone13@gmail.com	Satish Dhaka
2	Introduction to Care Plan	NUTRITION, BED MAKING FOR PATIENTS	Divya Yadav	SKV SAGARPUR NO-2	skv1821017@gmail.com	Satish Dhaka
		Care of patients, vital signs	Meenakshi	gskv ranhaula 1617005	RANHAULA1617005@YAHOO.COM	Satish Dhaka
3	Sterlization and Disinfection	Prevention and control hospital acquired infection, disinfecting ward and equipment	SUNITa	GGSSS harkesh nagar 1925341	1925341@yahoo.com	Satish Dhaka
		Microorganisms ,commman human disease	Usha	G.G.s.s school no-3 molarband	1925190@gmail.com	Satish Dhaka
4	Basic first aid and emergency	Dog bite/ snake bite/ bleeding/first aid rules/work places health hazards	Shashi kant	Ggsss hastsal uttam nagar 1618278	Ggssshastsal278@gmail.com	Satish Dhaka

		fever /stomach ache	Shakshi	GBSSS NO. 1 NAJAFGARH	school1822063@gmail.com	Satish Dhaka
		Material in emergency room	Umesh	WEST-B GSBV NIHAL VIHAR NANGLOI	gsbvnihal1617223@gmail.com	Satish Dhaka
5	Structure, Function and Nutrition	Human body system / muscular system/skeletal system/cardiovascular system/cell and tissues	Ankit	gpdkv fatheपुर beri	at368482@gmail.com	Satish Dhaka
		Nutrition	Sumit	GSKV MOHAN GARDEN 1618063	1618063mg@gmail.com	Satish Dhaka
		vitamin and mineral questions answers	Sonika	GGSSS A-BLOCK NAND NAGRI	ablocknn@gmail.com	Satish Dhaka
6	Public Relations in Hospital	reception and receptionist role in hospital/question answers	Annu	ggsss, raghubir nagar, 1515030	Annubalhara22@gmail.com	Satish Dhaka
		emergency (108) on call service / uses of computer	Deepa	gbsss , A block nandnagri 1106119	1106119hos@gmail.com	Satish Dhaka
		Role of GDA in emergency	Seema	GSKV,-C-BLOCK, MANGOLPURI	seemameet716.b@gmail.com	Satish Dhaka
7	Solved Sample Paper	solved sample paper	latika	Gskv pooth kalan,1412027	hos1412027@gmail.com	Satish Dhaka
			Diksha	Ggsss sec-1 Avantika 1413069	<a href="mailto:1413069zone13@gmail.com">1413069zone13@gmail.com</a>	Satish Dhaka
8	Sample Paper 1	Sample Paper 1 (all UNITS)	Sanjeev Kumar Meena	G.G.S.S.S NO.2 MOLARBAND	1929053ggsssno2molarband@gmail.com	Satish Dhaka
9	Sample Paper 2	sample paper 2 ( all UNITS)	Vikas Gupta	sbv tkd extn new delhi	sbv.tkd19@gmail.com	Satish Dhaka
10	Sample Paper 3	sample paper 3 ( all UNITS )	Parul	govt co-ed sv sec 2 avantika I'd 1413006	1413006zone13@gmail.com	Satish Dhaka

# CONTENTS

<b>UNIT - 1 : अस्पताल संरचना और कार्य</b>	<b>5</b>
SESSION - 1 : हेल्थ केयर डिलीवरी सिस्टम	6
SESSION - 2 : एक अस्पताल में सहायक विभागों की भूमिका	15
SESSION - 3 : अस्पतालों का वर्गीकरण करें	21
SESSION - 4 : जनरल की भूमिका और कार्य का वर्णन करें	30
SESSION - 5 : सामान्य ड्यूटी असिस्टेंट/रोगी की योग्यता को समझना/देखभाल सहायक	37
<b>UNIT - 2 : देखभाल योजना का परिचय और रोगी की देखभाल</b>	<b>40</b>
SESSION - 1 : जनरल ड्यूटी असिस्टेंट (GDA)	41
SESSION - 2 : पोषण	43
SESSION - 3 : मरीज के लिए बिस्तर बनाओ	47
<b>UNIT - 3 : नसबंदी और कीटाणुशोधन</b>	<b>56</b>
SESSION - 1 : रोग सम्बंधी सूक्ष्मजीवों का वर्णन	57
SESSION - 2 : सामान्य मानव रोगों के कारक एजेंटों का वर्णन करें	74
SESSION - 3 : हॉस्पिटल एक्वायर्ड संक्रमण के नियंत्रण और रोकधाम में अस्पताल कर्मियों की भूमिका को समझना	86
SESSION - 4 : कीटाणुरहित वार्ड और उपकरण	96
<b>UNIT - 4 : बुनियादी प्राथमिक चिकित्सा और आपातकाल चिकित्सा रिलीफ</b>	<b>107</b>

SESSION - 1 : प्राथमिक चिकित्सा के सिद्धांत और नियमों का वर्णन	108
SESSION - 2 : प्राथमिक चिकित्सा के लिए सुविधाएं उपकरण और सामग्री की पहचान	
SESSION - 3 : बुखार हीट स्ट्रोक में प्राथमिक उपचार देने वाले की भूमिका का प्रदर्शन	114
SESSION - 4 : प्राथमिक चिकित्सा और आपातकाल परिचय	118
	123
<b>UNIT - 5 : संरचना एण्ड कार्य</b>	<b>131</b>
SESSION - 1 : मानव शरीर के अंगों की पहचान करें	132
SESSION - 2 : विकास और विकास में पोषण की भूमिका का वर्णन करे	146
<b>UNIT - 6 : अस्पताल में जनसंपर्क</b>	<b>153</b>
SESSION - 1 : अस्पताल में जनसंपर्क	154
SESSION - 2 : आपातकालीन कॉल का जवाब देना	156
SESSION - 3 : जनसंपर्क बनाये रखने से कंप्यूटर का उपयोग करना	159
SESSION - 4 : मरीज के परिचालक के साथ व्यवहार करना	160

# **UNIT-1**

## **अस्पताल संरचना और कार्य** **(Hospital Structure and Functions)**

# **SESSION -1**

## **हेल्थ केयर डिलीवरी सिस्टम**

### **(HealthCare Delivery System)**

अस्पताल शब्द लातिनी शब्द “ हॉस्पिटालिस ” से लिया गया है, जिसका अर्थ है होटल या हॉस्टल। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार अस्पताल एक ऐसी संस्था है जिसका उद्देश्य जनसंख्या को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना है।

#### **अस्पतालों का वर्गीकरण:-**

1. उद्देश्य के आधार पर (According to purpose):-

- जनरल अस्पताल
- विशेषज्ञता के आधार पर अस्पताल
- शिक्षण और अनुसंधान

2. वित्त के आधार पर (According to Finance):-

- सरकारी अस्पताल
- निजी अस्पताल

3. क्षमता के अनुसार (According to Capacity):-

- छोटा अस्पताल (100 बेड)
- मध्यम स्तरीय अस्पताल (300 से ज्यादा बेड)
- बड़े अस्पताल (500 से ज्यादा बेड)

4. उपचार के आधार पर (According to Care):-

- प्राथमिक अस्पताल
- द्वितीय अस्पताल

- तृतीय स्तरीय अस्पताल

5. दवा प्रणाली के आधार पर (According to System of Medicine):-

- एलोपैथिक
- आयुर्वेदिक
- यूनानी
- होम्योपैथिक

### अस्पताल में मुख्यतः दो प्रकार के विभाग होते हैं

- बाहरी रोगी विभाग (Outpatient Dept.)
- आंतरिक रोगी विभाग (Inpatient Dept.)

#### 1. बाहरी रोगी विभाग:-

इस विभाग में उन लोगों का इलाज किया जाता है, जिन्हें उपचार कराने के लिए अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता नहीं है।

#### 2. आंतरिक रोगी विभाग:-

इस विभाग में उन रोगियों का इलाज होता है, जिन्हें उपचार कराने के लिए अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता होती है।

#### आपातकालीन विभाग:-



इस विभाग में रोगी बिना किसी पूर्व निर्धारण के आते हैं। इसमें ज्यादातर दुर्घटना से पीड़ित व्यक्ति आते हैं। इस विभाग में रोगी को कम से कम समय में प्रभावी स्वास्थ्य सेवा प्रदान की जाती है।

**(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

**1 Mark**

**प्रश्न1** अस्पताल शब्द लैटिन भाषा के किस शब्द से लिया गया है?

**उत्तर** - अस्पताल शब्द लैटिन शब्द "हॉस्पिटालिस" से लिया गया है जो 'हास्पिस' से आया है जिसका अर्थ है 'मेजबान'।

**प्रश्न2** - शिक्षण अस्पताल किस तरह दूसरा अस्पतालों से अलग है?

**उत्तर.**- शिक्षण अस्पताल का प्राथमिक उद्देश्य डॉक्टरों का शिक्षण और प्रशिक्षण है। उदाहरण- मेडिकल कॉलेज।

**प्रश्न 3**-स्त्री रोग विभाग क्या है?

**उत्तर.**- यह विभाग महिला मूत्र पथ और प्रजनन अंगों की समस्याओं की जांच और उपचार करते हैं।

**प्रश्न 4**- ई एन टी का क्या मतलब होता है?

उत्तर.- आंख नाक और गला।

**प्रश्न 5-** ओपीडी और आईपीडी से क्या तात्पर्य है?

उत्तर.- OPD- Out Patient Department

IPD- In Patient Department

**(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए**

**2 Marks**

**प्रश्न 1 -** पुराने समय और आधुनिक समय के अस्पतालों में क्या अंतर है?

उत्तर.- पुराने दिनों में, अस्पताल बेघरों के आश्रय और यात्रियों के इलाज के लिए अतिथि गृह थे। आधुनिक समय में, अस्पताल का मुख्य कार्य बीमारों की देखभाल और उपचार करना है।

**प्रश्न 2 -** आइसोलेशन अस्पताल क्या है?

**उत्तर.-** यह एक ऐसा अस्पताल है, जिसमें रोगी को आइसोलेशन की आवश्यकता होती है व संचारी रोगों से पीड़ित लोगों का ध्यान रखा जाता है।

**प्रश्न 3-ग्रामीण अस्पताल क्या है?**

**उत्तर -** यह अस्पताल ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित होते हैं, जिनमें स्थाई रूप से कम से कम एक या एक से अधिक चिकित्सक कार्यरत रहते हैं जो कि चिकित्सा और नर्सिंग आदि देखभाल प्रदान करते हैं।

**प्रश्न 4 - एक अस्पताल में विभागों का होना जरूरी क्यों है?**

**उत्तर.-**

1. अस्पतालों का प्रबंधन सरल करने के लिए
2. विभिन्न विभाग एक साथ अपना कार्य कुशलता पूर्वक कर सकते हैं
3. रोगियों को अपने विभाग में जाने में आसानी रहती है।

**प्रश्न 5 - बाल रोग विभाग से क्या तात्पर्य है?**

**उत्तर.-** यह वह विभाग है, जो शिशुओं, बच्चों और किशोरों की चिकित्सा देखभाल से संबंधित है और आयु सीमा आमतौर पर जन्म से लेकर 18 वर्ष तक की होती है ।

**प्रश्न 6-वित्त विभाग का क्या कार्य है?**

**उत्तर.-** यह बजट से संबंधित सभी कार्य करता है। यह सामग्री और उपकरणों की खरीद के लिए आवश्यक धन उपलब्ध कराता है।

**(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

**3 Marks**

**प्रश्न 1-**अस्पताल से क्या तात्पर्य है?

**उत्तर.-** विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) शब्द अस्पताल को एक संस्था के रूप में परिभाषित करता है, जो चिकित्सा और नर्सिंग देखभाल के लिए रोगी-आवास प्रदान करता है।

**प्रश्न 2-**विशिष्ट अस्पतालों का क्या कार्य होता है?

**उत्तर.-** यह अस्पताल एक विशिष्ट क्षेत्र में चिकित्सा और नर्सिंग देखभाल देने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उदाहरण: ऑर्थोपेडिक्स अस्पताल, कार्डियक अस्पताल आदि।

**प्रश्न 3-**भर्ती रोग विभाग (IPD)से आप क्या समझते हैं?

**उत्तर.-** रोगी को अस्पताल में भर्ती कराया जाता है। रोगी एक अनिश्चित समय के लिए रहता है आमतौर पर कई दिन या सप्ताह। इस तरीके से प्रदान किए गए उपचार को “इनपेशेंट केयर” कहा जाता है।

**प्रश्न 4-** रोगी सेवा विभाग क्या होता है?

**उत्तर.-** यह सीधे रोगियों के कल्याण से संबंधित सेवाएं प्रदान करता है और अस्पताल में उनके रेफरल की प्रक्रिया और आवश्यकताओं को सुविधाजनक बनाता है। यह मरीजों के लिए संरक्षण और प्रवेश का समन्वय तैयारी और व्यवस्था करती है।

**प्रश्न 5-** फिजियोथेरेपी विभाग से आपका क्या अभिप्राय है?

**उत्तर.-** यह क्लीनिक में भर्ती होने वाले विशेष रोगियों को सेवाएं प्रदान करता है जिन्हें फिजियोथेरेपी की आवश्यकता होती है। अस्थायी विकलांगता सहित शारीरिक व मानसिक रूप से अक्षम लोगों की सहायता करते हैं।

**(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

**प्रश्न 1-** आंतरिक रोग विभाग किससे संबंधित है?

**उत्तर.-** इसी बार में कार्डियोलॉजी, त्वचा विज्ञान, मधुमेह रोगी, पाचन तंत्र, अंतः स्त्रावी ग्रंथियां, रुधिर रोग, आंतरिक रोग, गुर्दे, मूत्र विज्ञान इकाई, न्यूरोलॉजी, मनोरोग, फेफड़ों के रोग आदि शामिल हैं।

**प्रश्न 2 -** बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) से आप क्या समझते हैं?

**उत्तर.-** आउटपेशेंट एक ऐसा रोगी है, जो 24 घंटे या उससे अधिक समय तक अस्पताल में भर्ती नहीं होता है। इस तरह से प्रदान की जाने वाली उपचार को एम्बुलेटरी केयर कहा जाता है। इसमें निदान या उपचार के लिए अस्पताल, क्लीनिक या संबंधित सुविधा का दौरा करता है।

**प्रश्न 3 -** आपातकालीन विभाग क्या है?

**उत्तर.-** आपातकालीन विभाग, जिसे दुर्घटना या हताहत विभाग के रूप में भी जाना जाता है। यह एक चिकित्सा उपचार सुविधा है, जो रोगियों की तीव्र देखभाल में विशेषज्ञता रखती है। जो बिना पूर्व नियुक्ति के उपस्थित होते हैं या तो अपने समय के माध्यम से या एंबुलेंस द्वारा आते हैं।

**प्रश्न 4-** सहायक विभाग के अंतर्गत कौन कौन से विभाग आते हैं?

**उत्तर.-**

1. खानपान और खाद्य विभाग
2. शैक्षिक मामले विभाग
3. मानव संसाधन विभाग
4. प्रयोगशाला और रक्त बैंक
5. रोगी सेवा विभाग
6. परिवहन विभाग

- 7.जनसंपर्क विभाग
- 8.सफाई और धुलाई विभाग
- 9.वित्त विभाग
- 10.चिकित्सा अनुरक्षण व अभियांत्रिकी विभाग
- 11.मेडिकल रिकॉर्ड विभाग
- 12.फिजियोथेरेपी विभाग
- 13.सामाजिक कार्य विभाग
- 14.एक्सरे विभाग

## SESSION-2

### एक अस्पताल में सहायक विभागों की भूमिका

#### (Describe the Role of Supporting Departments in a Hospital)

\* एक अस्पताल के भीतर विभिन्न विभाग सेवा के स्तर प्रदान करने के लिए जिम्मेदार होते हैं, जो पर्यावरण सेवाओं, उपकरण वितरण और लिनेन से लेकर बायोमैड/ क्लीनिकल इंजीनियरिंग, सुविधाओं और कई अन्य लोगों तक अस्पताल चलाते हैं।

\* नैदानिक विभाग: -

- हताहत विभाग
- ऑपरेशन थिएटर
- गहन चिकित्सा इकाई
- एंटी विभाग
- कार्डियोलॉजी विभाग

▪ नर्सिंग विभाग

▪ सहायक विभाग: -

- फार्मसी विभाग
- रेडियोलॉजी विभाग
- आहार विभाग
- हाउसकीपिंग



- तकनीकी विभाग :-
  - क्लिनिकल इंजीनियरिंग विभाग
  - सूचना प्रौद्योगिकी और संचार
  - एम आर डी
- प्रशासनिक विभाग: -
  - मानव संसाधन विभाग
  - वित्त विभाग
  - प्रशासनिक विभाग
- **हताहत विभाग:** - इस विभाग को आपातकालीन विभाग के रूप में भी जाना जाता है। इसमें तत्काल उपचार की आवश्यकता होती है।
- **ऑपरेशन थिएटर:** - इसको ऑपरेटिंग रूम में ऑपरेटिंग सूट भी कहा जाता है।
- **गहन चिकित्सा इकाई:** - यह विभाग गंभीर चोटों और बीमारियों से संबंधित है जिन्हें निरंतर देखभाल से करीबी निगरानी की आवश्यकता होती है ।
- **कार्डियोलॉजी विभाग:** - यह विभाग मानव हृदय और परिसंचरण समस्याओं से संबंधित है।
- **ईएनटी विभाग:** - यह विभाग कान, नाक और गले के विकारों की जांच और उपचार से संबंधित है।

- **न्यूरोलॉजी विभाग:** - यह विभाग मानव तंत्रिका तंत्र की जांच, उपचार और रोकथाम से संबंधित है।
- **मनोरोग विभाग :-** यह विभाग मानसिक बीमारी और विकारों के निदान उपचार और रोकथाम से संबंधित है।

**(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (1 Mark)**

प्रश्न 1- एक लॉन्ड्री संचालक कितने बिस्तरों के लिनेन धो सकता है?

उत्तर.- 25 से 30 बिस्तरों के लिनेन धो सकता है।

प्रश्न 2- हर ऑपरेशन के बाद कितना किलो मैला लिनेन निकलता है?

उत्तर.- 7 से 8 किलो मैला लिनेन निकलता है।

प्रश्न 3 - अस्पताल को साफ सुथरा रखने का मुख्य काम किस विभाग का होता है

उत्तर.- हाउसकीपिंग विभाग का मुख्य काम है।

प्रश्न 4- क्रय विभाग क्या है?

उत्तर.- क्रय विभाग के पास अस्पताल के लिए सभी आपूर्तियों और उपकरणों को खरीदने की जिम्मेदारी होती है।

**(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (2 Marks)**

प्रश्न 1- आहार विभाग में कौन से कर्मचारी कार्य करते हैं?

उत्तर.- आहार विभाग में डाइटिशियन, फूड स्टोरकीपर, कुक, कुक हेल्पर व एक डिशवॉशर होते हैं।

प्रश्न 2- सफाई और धुलाई विभाग के क्या क्या कार्य हैं?

उत्तर.-

- गंदे लिनेन को धोना ।
- फटे लिनेन की मरम्मत करना ।
- निर्दित लिनेन को बदलना ।

प्रश्न 3- बैक्टेरियोलोजी प्रयोगशाला का क्या कार्य है?

उत्तर.- यह बैक्टीरिया और उनके द्वारा उत्पादित विषाक्त पदार्थों से संबंधित परीक्षण करती है।

प्रश्न 4- प्रयोगशालाओं को स्थित करते हुए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

उत्तर.- प्रयोगशाला सेवाएं दिन और रात उपलब्ध होनी चाहिए।

प्रयोगशाला में भूतल पर स्थित होनी चाहिए।

प्रयोगशाला सेवाएं बाहरी रोगियों के लिए आसानी से उपलब्ध हों।

**(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

**(3 Marks)**

प्रश्न 1- वित्त और लेखा विभाग की क्या जिम्मेदारी है?

उत्तर.- इसके पास धन एकत्र करने, आपूर्ति और उपकरणों के लिए भुगतान करने, अस्पताल के वित्त से संबंधित सभी रिकार्डों को संभालने, संपत्ति और देनदारियों का रिकॉर्ड रखने और बजट तैयार करने में सहायता करने की जिम्मेदारी है।

प्रश्न 2- OPD के दायरे में क्या शामिल है?

उत्तर.- परामर्श और जांच, पुनर्वास सेवाएं, स्वास्थ्य शिक्षा, परामर्श, निवारक और प्रोत्साहित स्वास्थ्य सेवा।

प्रश्न 3- OPD से क्या लाभ है?

उत्तर.- OPD का लाभ यह है कि अधिकांश जांच और उपचारात्मक कार्य बिना ग्राहक को भर्ती किए किए जा सकते हैं। इस प्रकार चिकित्सा खर्चों में कटौती की जा सकती है।

प्रश्न 4-हेमेटोलॉजी प्रयोगशाला क्या है?

उत्तर.- यह हिमोग्लोबिन निर्धारण लाल और सफेद कोशिका की गिनती और एनीमिया ल्यूकेमिया आदि के लिए विशेष रक्त विकृति अध्ययन करने के लिए जिम्मेदार है।

**(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

**(4 Marks)**

प्रश्न 1- आहार विभाग की क्या जिम्मेदारी है?

उत्तर.- आहार विभाग की जिम्मेदारी है कि ग्राहक को गुणवत्तापूर्ण भोजन सेवा और उनकी जरूरतों और डॉक्टर के नुस्खे के अनुसार सुनिश्चित किया जाए। यह विभाग रोगी को अस्पताल से छुट्टी के बाद उचित आहार के संबंध में सिखाने के लिए जिम्मेदार है।

प्रश्न 2- OPD को स्थापित करते समय कौन सी बातें ध्यान में रखनी चाहिए?

- उत्तर.-
1. ओपीडी अस्पताल के प्रवेश द्वार पर स्थित हो।
  2. इससे जुड़े रोगी क्षेत्र से अलग होना चाहिए।
  3. इसकी मेडिकल रिकॉर्ड डिपार्टमेंट (एमआरडी), एक्स-रे, प्रयोगशाला, फार्मसी और बिलिंग काउंटर तक आसान पहुंच हो।
  4. यह कैजुअल्टी के लिए आसानी से सुलभ होना चाहिए लेकिन कैजुअल्टी से अलग होना चाहिए।

# SESSION-3

## अस्पतालों का वर्गीकरण करें

### (Classify Hospitals)

- जैसा कि हम पिछले अध्याय में पढ़ चुके हैं कि अस्पताल एक संस्था है जो जनसंख्या / लोगों को उपचार प्रदान करती है।
- इस सत्र में हम अस्पतालों के वर्गीकरण के बारे में जानेंगे।

अस्पताल को आकार ,स्वामित्व, नियंत्रण, उद्देश्य (Motive), प्रणाली (System), प्रबंधन (Management)के अनुसार बांटा गया है।

- कुछ महत्वपूर्ण बातें :

\* स्वैच्छिक अस्पताल=

1. सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 स्थापित
2. सार्वजनिक ग्रस्त अधिनियम 1882 स्थापित
3. राज्य सरकारों या केंद्र द्वारा स्थापित है।

\*यह अस्पताल स्थापित हुआ था उसके बारे में बताया गया है।

- बिस्तर क्षमता अनुसार वर्गीकरण:-

1. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र/Primary= 6 से 10
2. सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र/CommUNITY = 30 से 50
3. तालुका अस्पताल/Taluka =50 से 200
4. जिला अस्पताल/District =200 से 300
5. शिक्षण और रेफरल अस्पताल/Teaching =300 से अधिक

**(क) निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दें- (1 Mark)**

प्रश्न 1- आकार के आधार पर अस्पताल कितने होते हैं?

उत्तर.- आकार के आधार पर तीन अस्पताल हैं

छोटा अस्पताल= 100 या इससे कम

मध्यम अस्पताल =101 - 300 तक

बड़ा अस्पताल =301 - 1000 तक

प्रश्न 2- मेडिकल केयर /चिकित्सा देखभाल क्या है?

उत्तर.- इसमें चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा निश्चित (एक ही)

बीमारी का अच्छे से उपचार होता है।

प्रश्न 3- सरकारी और गैर सरकारी अस्पताल में अंतर:

उत्तर.- सरकारी अस्पताल/ सार्वजनिक

- कम पैसा लगता है उपचार में

गैर सरकारी अस्पताल /प्राइवेट

- ज्यादा पैसा लगता है उपचार में

- मालिकाना हक नहीं है। यह सरकार, केंद्र,स्थानीय निकायों द्वारा चलते हैं।
- मालिकाना हक होता है।

**(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से सही का चयन करें-**

प्रश्न 1- लॉन्ग टर्म केयर हॉस्पिटल में क्या जांच होती है?

- 1) लंबी बीमारी
- 2) लंबे समय तक चलने वाली वह न ठीक होने वाली (✓).
- 3) छोटी बीमारी
- 4) कोई नहीं

प्रश्न 2- प्रणाली के अनुसार स्थलों का वर्गीकरण कितना है और कौन सा?

- 1) लॉन्ग टर्म केयर क्रॉनिक
- 2) अल्पावधि या एक्यूट अस्पताल
- 3) स्वायत्त निकाय
- 4) 1 और 2 सही(✓)

**(ख) प्रश्न/उत्तर –**

**(2 Marks)**

प्रश्न 1- गैर सरकारी अस्पताल को कितने वर्गों में बांटा गया है?



1. निजी (प्राइवेट) अस्पताल- यह लोगों या फंड द्वारा चलाए जाते हैं।
2. नर्सिंग होम अस्पताल- यह चिकित्सक के समूह द्वारा चलाए जाते हैं।
3. कॉरपोरेट अस्पताल- यह पब्लिक लिमिटेड कंपनी द्वारा चलाए जाते हैं।

प्रश्न2 -अस्पतालों के उद्देश्य के अनुसार वर्गीकरण क्या है?

उत्तर.- अस्पतालों के उद्देश्य के अनुसार वर्गीकरण है:-

1. शिक्षण सह अनुसंधान अस्पताल:- इसमें जो बच्चे मेडिकल पढ़ना चाहते हैं उन्हें पढ़ाया जाता है जैसे एम्स मेडिकल कॉलेज।
2. सामान्य अस्पताल:- सामान्य बीमारी का इलाज होता है जो जल्दी ठीक हो जाती है जैसे खांसी, जुखाम, कान दर्द।
3. विशिष्ट अस्पताल:- एक बीमारी का इलाज करने वाला अस्पताल जैसे आंख कान के अस्पताल।
4. आइसोलेशन अस्पताल:- इसमें संचारी जो फैलने वाली बीमारी है उन रोगों का इलाज उपचार होता है। जैसे कोविड बीमारी का अस्पताल।

5. ग्रामीण अस्पताल:- इसमें डॉक्टर चिकित्सक गांव में जाकर इलाज करते हैं जैसे गांव के नर्सिंग होम।

प्रश्न 3 रिक्त स्थान भरो-

1. स्थानीय निकाय द्वारा चलाए जा रहे अस्पताल नगर पालिका, जिला परिषद जाते हैं।
2. स्वैच्छिक अस्पताल आंशिक रूप से स्वः नियुक्ति बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा नियंत्रित है।
3. चिकित्सा देखभाल के स्तर 4 हैं, प्राथमिक, माध्यमिक, तृतीय, चतुर्थ देखभाल।
4. लॉन्ग टर्म के अस्पताल को क्रॉनिक केयर अस्पताल भी कहते हैं।

प्रश्न 4- प्रबंधन के अनुसार अस्पताल को कितने वर्गों में बांटा जाता है?

उत्तर.- प्रबंधन के अनुसार अस्पताल वर्गीकरण है-

- केंद्र सरकार द्वारा नियंत्रित अस्पताल- जैसे एम्स अस्पताल।
- राज्य सरकार द्वारा नियंत्रित अस्पताल जैसे राज्य सरकार द्वारा।

- स्थानीय सरकार द्वारा नियंत्रित अस्पताल- जैसे जिला परिषद पंचायत।
- स्वायत्त निकाय- जैसे गवर्निंग बोर्ड द्वारा।
- निजी अस्पताल
- स्वैच्छिक अस्पताल

प्रश्न 5.- अल्पावधि देखभाल क्या है?

- यहां रोगों को कम समय में ठीक किया जाता है।
- यहां कम समय में व जल्दी ठीक होने वाली बीमारी ठीक होती है।

प्रश्न6- कॉरपोरेट अस्पताल और स्वैच्छिक अस्पताल में अंतर-

कॉरपोरेट अस्पताल	स्वैच्छिक अस्पताल
लिमिटेड कंपनी द्वारा चलाए जाते हैं। वाणिज्य तौर पर चलाए जाते हैं। पैसे का लाभ होता है।	सोसायटी पंजीकरण द्वारा चलाए जाते हैं। गैर वाणिज्यिक तौर पर चलाए जाते हैं। लाभ नहीं है।

प्रश्न 7- प्राथमिक देखभाल स्तर और माध्यमिक स्तर में अंतर-

## प्राथमिक देखभाल स्तर

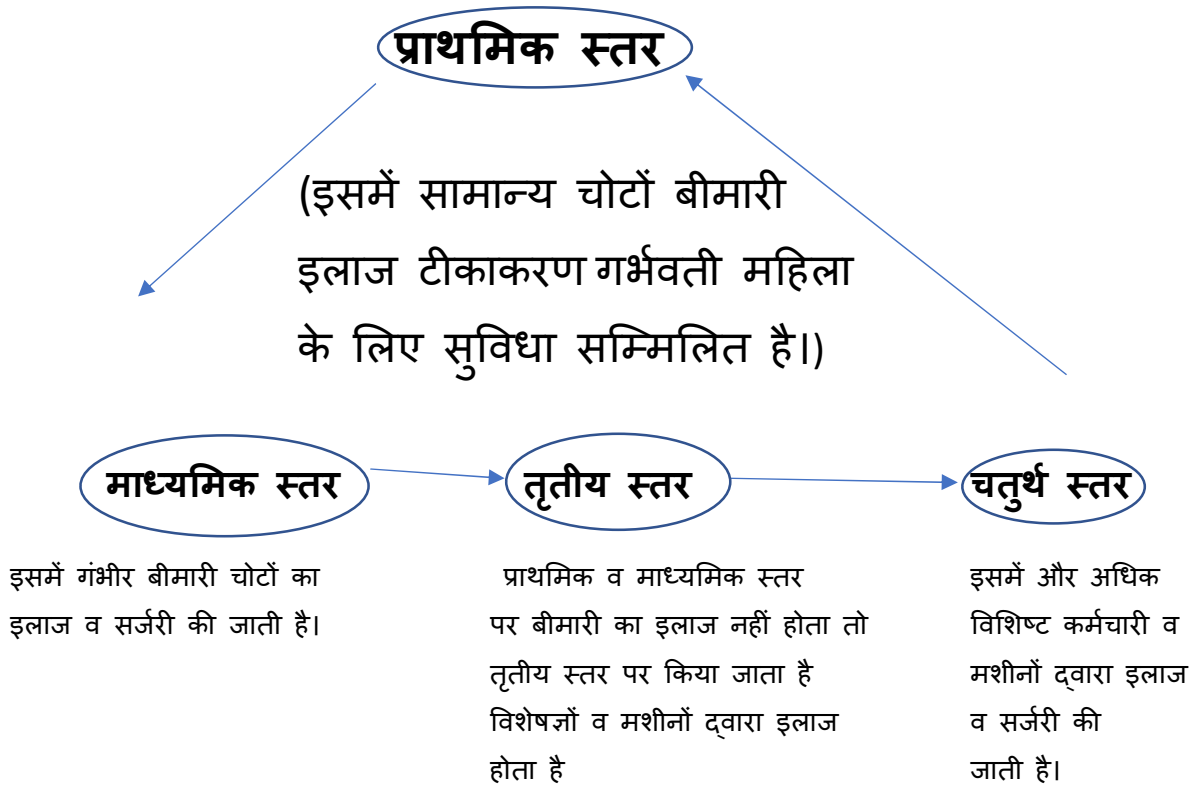
- सामान्य बीमारी, चोटों, टीकाकरण का इलाज व उपचार देते हैं।
- प्राइमरी (प्राथमिक) हेल्थ सेंटर व उप स्वास्थ्य केंद्र में सुविधा देते हैं।
- सर्जरी, 24 घंटे इलाज नहीं होता

## माध्यमिक स्तर

गंभीर बीमारी, गंभीर चोट व गहन रोगी का इलाज होता है। 24 घंटे तक सुविधा दी जाती है। सर्जरी भी होती है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जिला अस्पताल में होता है।

प्रश्न 8- चिकित्सक देखभाल को चक्र द्वारा स्तरों को समझाएं?

उत्तर.-



प्रश्न 9- निम्नलिखित को बताएं यह किसके द्वारा चलाए जाते हैं।

उत्तर.- गैर सरकारी अस्पताल = मालिकों द्वारा

स्वैच्छिक अस्पताल = सोसायटी पंजीकरण द्वारा

कॉर्पोरेटिव अस्पताल = पब्लिक लिमिटेड कंपनी द्वारा

स्वायत्त निकाय = अस्पताल के गवर्निंग बोर्ड द्वारा

प्राथमिक देखभाल स्तर = स्वास्थ्य केंद्रों द्वारा

प्रश्न 10 - मिलान करें-

- |                       |                            |
|-----------------------|----------------------------|
| 1. स्वामित्व वर्गीकरण | → 30 से 50 (3)             |
| 2. तालुका अस्पताल     | → 301 से 1000 (5)          |
| 3. सामुदायिक अस्पताल  | → 200 से 300 (4)           |
| 4. शिक्षण अस्पताल     | → सरकारी और गैर सरकारी (1) |
| 5. बड़ा अस्पताल       | → 50 से 200 (2)            |

(ग) निम्नलिखित के उत्तर दें :

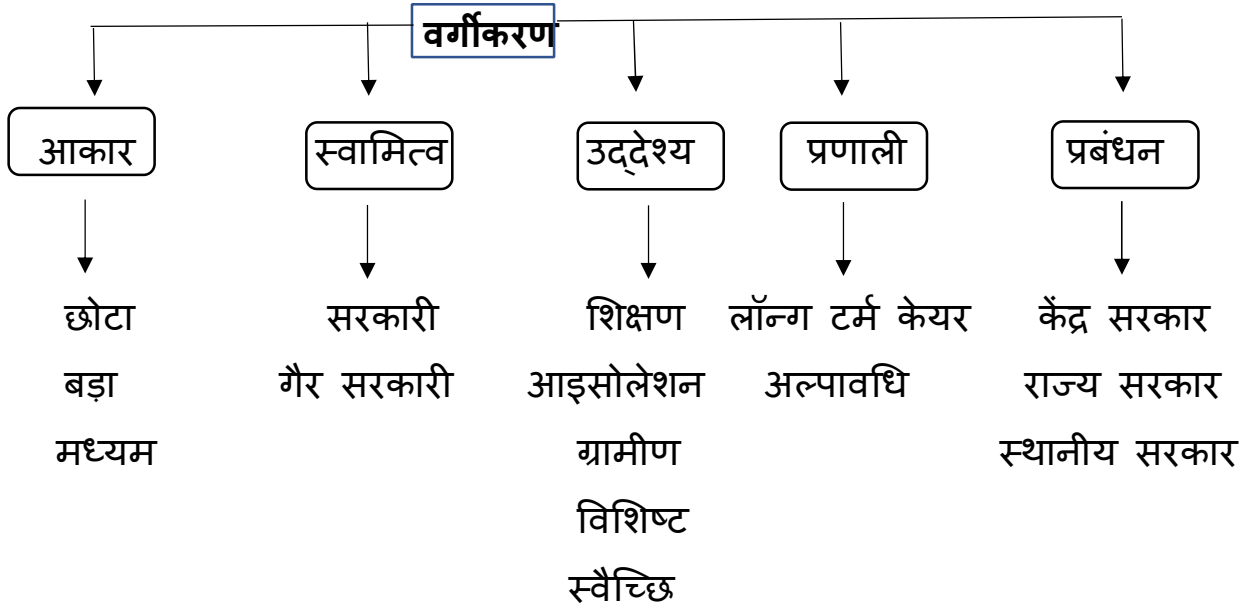
प्रश्न 1 अस्पताल

1. बिस्तर 0 से 1000 तक।
2. डॉक्टर व नर्स की संख्या कम।
3. ज्यादा समय तक इलाज ।
4. यह सरकारी व निजी दोनों होते हैं।
5. सभी बीमारी का इलाज।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

1. बिस्तर 30 - 50 तक।
2. डॉक्टर व नर्स की संख्या ज्यादा।
3. कम समय तक इलाज।
4. यह सरकारी होते हैं केवल।
5. सभी बीमारी का इलाज नहीं जैसे हृदय ,कैंसर रोग।

## प्रश्न 2- सभी वर्गीकरण को मैप द्वारा दर्शाए।



# SESSION-4

## जनरल की भूमिका और कार्य का वर्णन करें

### (Describe the Role of and Functions of General Duty Assistant/Patient Care Assistant)

- इस सत्र में हम जीडीए के कार्य के बारे में जानेंगे।
- जनरल ड्यूटी असिस्टेंट (जीडीए) एक अस्पताल में कार्य करने वाला कार्य करता है जो नर्स वह डॉक्टर के नीचे कार्य करता है। वह मरीजों को उपचारात्मक, निदान उपचार प्रदान करने में मदद करता है।
- परिभाषाएं-
  1. पुनर्वास रोगी- यह वह मरीज होते हैं जो मानसिक व सामाजिक रूप से अक्षम होते हैं व अपनी दैनिक गतिविधियां नहीं कर सकते।
  2. आपातकालीन स्थिति- यह वह स्थिति है जिसमें मरीज को तुरंत इलाज की आवश्यकता होती है। इसमें मरीज की जान भी जा सकती है।

#### (क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

प्रश्न 1- जीडीए (G.D.A) का फुल फॉर्म क्या होता है और इसे क्या कहते हैं?

उत्तर.- जीडीए का मतलब जनरल ड्यूटी असिस्टेंट है और इसे पेशेंट केयर असिस्टेंट भी कहते हैं।

प्रश्न 2- जीडीए का एक कार्य बताओ?

उत्तर.- जीडीए को मरीजों की अच्छी तरह देखभाल करना चाहिए। जीडीए का मुख्य कार्य है मरीज को भर्ती करना।

प्रश्न 3-जीडीए को मरीजों के साथ विनम्र क्यों होना चाहिए?

उत्तर.- जीडीए को मरीजों के साथ विनम्र इसलिए होना चाहिए ताकि वह मरीजों को अपनी बात कह पाए व मरीज भी अपनी बात को रख पाए। भर्ती के वक़्त जीडीए वह पहला व्यक्ति होता है जो हर चीज बताता है।

प्रश्न 4- जीडीए के तीन आवश्यक कार्य क्या हैं?

उत्तर.- 1. डॉक्टर नर्स के आदेशों को मानना।

2.रोगी की स्वास्थ्य व पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करना।

3. निर्मल व विनम्र होना ।

प्रश्न 5- जीडीए द्वारा कौन से चरण जो बीमारी के प्रसार को रोकने में मदद करेंगे?



उत्तर.- 1. निरंतर हाथ धोना

2. सभी स्वास्थ्य नियमों को अपनाना

3. बुद्धि व सामान्य ज्ञान का उपयोग

(ख ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें-

(2 Marks)

प्रश्न 1- जीडीए निवारक और उपचारात्मक कार्य में अंतर

उत्तर.-

निवारक

इसमें बीमारी के प्रसार को रोका जाता है।

इसमें बीमारी रोकने के लिए सावधानी, रोकथाम किया जाता है।

उपचारात्मक

इसमें बीमारी को खत्म करने के लिए दवाई दी जाती है।

बीमारी को ठीक करने के लिए मशीनों का प्रयोग होता है।

प्रश्न 2- जीडीए के क्या कार्य हैं?

उत्तर.- जीडीए को निवारक, नैदानिक, कम्युनिकेटर, पुनर्वास कार्य करने चाहिए व सही से करनी चाहिए।

प्रश्न 3- जीडीए का व्यवहार कैसा होना चाहिए?

उत्तर.- जीडीए का व्यवहार ईमानदार, विनम्र स्वैच्छिक तथा कार्य करने में तत्पर रहना चाहिए।

प्रश्न 4- जीडीए कार्यों को प्रभावी ढंग से कैसे करें?

उत्तर.-

- जीडीए जो काम कर रहा है उसका पूर्ण ज्ञान हो।
- कम्युनिकेटर(बातें करने में) अच्छा हो।
- देखभाल अच्छे से करना आना चाहिए।

प्रश्न 5- प्रोत्साहन कार्य क्या है?

उत्तर.- प्रोत्साहन कार्य से तात्पर्य है कि वह मरीजों की रोजमर्रा की आदतों में परिवर्तन करें व उनके बदलावों का निरीक्षण कर परिवर्तन को आगे करने के लिए प्रोत्साहित करें जैसे दवाई सही समय पर खाना आदि।

**प्रश्न 6 रिक्त स्थान-**

1. लंबी बीमारी की रोकथाम, संचारी रोगों पर नियंत्रण **निवारक** कार्य है जीडीए का।
2. जीडीए को डॉक्टर नर्स स्टाफ मरीज के साथ सही बात करने के लिए कैसा होना चाहिए-**कम्युनिकेटर**।
3. शारीरिक, मानसिक व सामाजिक गतिविधि शामिल है जो है **पुनर्वास कार्य**।

**प्रश्न 7 निम्नलिखित में से सही का चयन करें-**

प्रश्न i- जीडीए को मरीज के साथ क्या नहीं होना चाहिए?

- 1) गुस्सा
- 2) घमंडी
- 3) विनम्र
- 4) क व ख(✓)

प्रश्न ii- जीडीए राजन अस्पताल की 12वीं मंजिल पर कार्यरत है अचानक फायर अलार्म शुरू हो जाता है, तो उसे क्या क्रिया नहीं करनी चाहिए?

- 1) आपातकालीन निकास का उपयोग
- 2) असेंबली प्वाइंट पर असेंबलिंग
- 3) शांत और बुद्धि उपयोग
- 4) लिफ्टों का उपयोग(✓)

प्रश्न iii- जीडीए को मरीज को बाल रोग भेजना है तो यह किससे संबंधित है?

- 1) ओपीडी
- 2) ओटी
- 3) ऑर्थोलाँजी
- 4) पीडियाट्रिक्स(✓)

प्रश्न iv- जीडीए के पास एक ऐसा मरीज है जिसका बच्चा परेशान द्वारा हुआ है तो उसे 3 दिन तक रेस्ट बोला है तो वह 3 दिन बाद ऑपरेशन हुए मरीज को क्या करवाएगा?

- 1) रेस्ट पर रखेगा
- 2) चलाएगा(✓)
- 3) चलाएगा(✓)

2) साफ-सफाई करेगा  
घूमाएगा

4) स्ट्रेचर से

प्रश्न v- जीडीए को संचारी रोगों से बचने के लिए क्या पहन कर रखना चाहिए? (4)

1) गलबज

3) स्क्रब

2) मास्क

4) सभी(✓)

प्रश्न vi- जीडीए जब मरीज भर्ती होता है तो उसे क्या करना चाहिए?

1) रूम को साफ करना

3) वाइटल साइन लेना

2) ट्रीटमेंट टेबल को तैयार

4) सभी(✓)

प्रश्न vii- रोगी को लाने ले जाने में जीडीए किसका उपयोग करेगा?

1) स्ट्रेचर

3) व्हीलचेयर

2) ट्रॉली बेड

4) सभी(✓)

**प्रश्न 8 मिलान करें -**

जीडीए को अलग परिस्थिति में रोगी को किस विभाग में भेजना चाहिए उसकी सहायता करें ।

- |                        |   |                  |
|------------------------|---|------------------|
| 1. खांसी,जुकाम,सामान्य | → | ऑर्थोलॉजी (3)    |
| 2. आंखों के रोगों      | → | ओपीडी (1)        |
| 3. हड्डी के रोगों      | → | ऑप्टोमेट्री (2)  |
| 4. कान नाक व गले रोग   | → | ओटोलरीगोलोजी (4) |

**ग . प्रश्न उत्तर-**

**(3 Marks)**

प्रश्न 1- रोगी को भर्ती करते वक्त जीडीए को सामान्य सूची/ जांच में क्या करना चाहिए?

उत्तर.- रोगी को भर्ती करने के बाद जीडीए को सामान्य जांच करनी चाहिए

1. वाइटल साइन लेना।
2. रोगी का शारीरिक या शरीर की जाँच।
3. रोगी के शरीर की संरचना या बनावट की जांच।
4. रोगी ने कोई दवाई का सेवन तो नहीं किया।

(इनको विस्तार में बताना 3 नंबर के प्रश्न में)

प्रश्न 2- जीडीए को डॉक्टर अनुपस्थिति में क्या करना चाहिए?

उत्तर.- 1. रोगी के कार्यों में परिवर्तनों का अवलोकन।

2. बीमारी के परिवर्तनों का अवलोकन।

3. मरीज के जांच पर नजर रखना।

## **SESSION-5**

**सामान्य ड्यूटी असिस्टेंट/रोगी की योग्यता को  
समझना/देखभाल सहायक**

**(Understanding the Qualities of a General Assistant/  
Patient Care Assistant)**

एक जनरल ड्यूटी असिस्टेंट को कुछ विशेष गुणों के लिए कॉल करने वाली सेवा प्रदान करनी होती है। क्लाइंट को व्यक्तिगत देखभाल प्रदान करने के लिए एक जीडीए की आवश्यकता होती है। जिसमें स्वच्छता, स्नान, शैंपू करना, शेविंग, नाखून काटना, ड्रेसिंग, त्वचा की देखभाल आदि शामिल है।

**प्रश्न-1 सामान्य ड्यूटी असिस्टेंट के गुणों की सूची बनाएं?**

**उत्तर.- प्रभावी व्यक्तिगत देखभाल प्रदान करने के लिए जीडीए में निम्नलिखित गुण होने चाहिए-**

1. इमानदारी और वफादारी।
2. अनुशासन और आज्ञाकारी।
3. सतर्कता
4. तकनीकी दक्षता।
5. निर्भरता और समायोजन।

6. आत्मविश्वास को प्रेरित करने की क्षमता।
7. समय और संसाधनों के प्रबंधन के लिए संसाधन क्षमता।
8. शिष्टाचार और गरिमा।
9. बुद्धिमता और सामान्य ज्ञान।
  
10. अच्छा शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य।
11. उदारता।
12. सौम्यता और वैराग्य।

**प्रश्न-2** वह कौन से गुण है जो एक जीडीए ओल्ड के पास मरीज के साथ व्यवहार करते समय होते हैं?

**उत्तर.-** जीडीए को सेवाओं को प्रभावी ढंग से वितरित करने के लिए जो गुण होने चाहिए उनमें निम्नलिखित शामिल है-

1. जीडीए वफादार इमानदार भरोसेमंद और डॉक्टर बाहर ले जाने के लिए तैयार रहना चाहिए।
2. ग्राहक के उपचार और देखभाल के मामले में नर्स के आदेश डॉक्टर और नर्स को उचित सम्मान दिया जाना चाहिए।

3. जीडीए नर्सों का सम्मान करते हैं और उन्हें पूर्ण सहयोग देना चाहिए जीडीए द्वारा अपने काम में आने वाली समस्याओं को नर्सों के माध्यम से हल किया जाना चाहिए। नर्सिंग अधीक्षक के पास नर्सों और जीडीए का पूर्ण नियंत्रण और जिम्मेदारी है।
4. कोई भी जीडीए, जो 1 दिन में भी वरिष्ठ हो उसे सम्मान दिया जाना चाहिए



# UNIT - 2

देखभाल योजना का परिचय और रोगी की देखभाल

# SESSION - 1

## जनरल ड्यूटी असिस्टेंट (GDA)

### परिचय

जो मरीजों की देखभाल करते हैं उन्हें जी. डी. ए. कहते हैं। वे यह सुनिश्चित करते हैं की मरीजों को उनके दैनिक दिनचर्या में सहायता करें।

जी.डी.ए की भूमिका (जनरल ड्यूटी असिस्टेंट)

1. देखभाल योजना का मूल्यांकन
  2. स्वास्थ्य स्थिति डेटा का विश्लेषण
  3. देखभाल योजना का कार्यान्वयन
3. देखभाल के लिए प्राथमिकताएं और कार्य देखभाल योजना की विशेषताएं
- यह मूल्यांकन डेटा का उपयोग करते हुए नर्स के नैदानिक निर्णय पर आधारित है।
  - यह क्लाइंटविशिष्ट नर्सिंग परिणामों पर केंद्रित है जो देखभाल प्राप्तकर्ता के लिए यथार्थवादी है।
- इसमें नर्सिंग हस्तक्षेप शामिल है जो जोखिम कारकों पर केंद्रित है।
- यह भविष्य को कार्रवाइयों से संबंधित है।

### देखभाल योजना के उद्देश्य

1. प्रत्येक रोगी को देखभाल की एक व्यक्तिगत योजना प्रदान करना ताकि रोगी को जल्द से जल्द ठीक किया जा सके।

2. कार्रवाई के लिए प्राथमिकताओं का निर्धारण करने के लिए। 3. नर्सिंग स्टाफ और अन्य विशेषों के पेशेवरों के बीच प्रभावी संचार प्रदान करने के लिए।
3. रोगी की देखभाल को योजना बनाने और रोगी स्वास्थ्य देखभाल के बारे में निर्णय लेने में रोगी को भागेदारी को प्रोत्साहित करना।

### **देखभाल योजना के चर्चा**

#### **1. मूल्यांकन**

रोगी का इतिहास और स्वास्थ्य डेटा इकट्ठा करना और एनालाइज करना।

एडमिशन के समय रोगी का मूल्यांकन करना और एक लिखित केयरप्लान बनाना और उसको 8 घंटे के अंदर लागू करना ।

एडमिशन के समय रोगी का मूल्यांकन करना और एक लिखित केयरप्लान बनाना और उसको 8 घंटे के अंदर लागू करना ।

2. समस्या की पहचान इसमें समस्या और उसके कारण की पहचान की जाती है।

#### **3. नियोजन हस्तक्षेप**

जी. डी. ए. रोगी के लिए मापने योग्य और प्राप्त करने योग्य छोटी व बड़ी दूरी के लक्ष्यों को निर्धारित करता है।

4. कार्यनिर्वहन देखभाल योजना के अनुसार देखभाल लागू करना ।

#### **5. मूल्यांकन**

इसमें रोगी की स्थिति और नर्सिंग देखभाल की प्रभावशीलता को मापते हैं ।

# SESSION - 2

## पोषण

### परिचय

न्यूट्रीशन एक आवश्यक भाग होता है मानव जीवन का जो मानव शरीर की बीमारी में चक्र के अनुसार रहती है। • भोजन का प्रयोग ना केवल शरीर को न्यूट्रिशन देने के लिए किया जाता है बल्कि निम्न कारण है

- मन को संतुष्ट करना

‘जीवन की सुरक्षा के लिए किसी बीमारी को जल्दी ठीक करने के लिए जीवन के लिए न्यूट्रिशन बहुत जरूरी है अगर खराब न्यूट्रिशन मिले तो यह स्वास्थ्य के स्तर को कम करता है

न्यूट्रीशन एक वाइटल (Vital) का काम करता है मानव के जीवन के लिए भोजन और तत्वों की वैज्ञानिक प्रक्रिया है जो मानक को कार्य करने की ऊर्जा का निर्माण करता है।

न्यूट्रीशन हमारे शरीर के मानसिक संतुलन को और स्वास्थ्य का बनाए रखने और मजबूत करने में मदद करता है • मरीज का न्यूट्रिशन ( Nutrition ) मापा जाता है:-

- बहुत अच्छी V अच्छी
- बहुतबेकार
- भोजन में जरूरी वस्तुओं का सेवन और शरीर द्वारा उपयोग करने की क्षमता पर निर्भर करता है सेवन का सस्त

न्यूट्रीशन का कार्य शरीर के विकास प्रजनन जख्म की मरम्मत शरीर के काम करने की गतिविधि संक्रमण जैसे कई कार्यों में होता है।

### महत्वपूर्ण संकेतों की पहचान करें और रिपोर्ट करें

#### वाइटल साइन

-वाइटल साइन शरीर के सभी बुनियादी कार्यों के मापक हैं। जैसे- तापमान, धड़कन, रक्तचाप, स्वासदर, दर्द

#### 1. तापमान ( टेंपरेचर)

- सामान्य तापमान को नॉर्मोथर्मिया या यूथर्मिया भी कहते हैं।

शरीर का तापमान मापने वाले यंत्र को थर्मोमीटर कहते हैं।

- सामान्य शरीर का तापमान लगभग 98.6°F या 37°C होता है।

- 100.4°F (38°C) से ऊपर का तापमान बुखार होता है। • 100.4 °F से ऊपर तापमान हो तो उसे हाइपरथर्मिया कहते हैं।

और अगर तापमान 95°F से कम हो तो उसे हाइपोथर्मिया कहते हैं।

#### तापमान लेने की तैयारी

- हाथ धोना
- उपयुक्त उपकरणों का चयन
- अपना परिचय दें और रोगी को प्रक्रिया समझाएं

थर्मोमीटर को इस्तेमाल करने से पहले अच्छे से हिलाएं

-तापमान लेने के स्थान

-मौखिक तापमान (ओरल तापमान)

-थर्मोमीटर की नाँक को मुँह के पिछले भाग जिसको सबलिंगुअल कहते हैं पर रखें।

- समय - 3 से 5 min

-थर्मोमीटर आंख के स्तर पर करके तापमान पढ़ें

- रीडिंग रिकॉर्ड करे

-अक्षिय तापमान (एक्सिला तापमान)

-एक्जिलरी एरिया में थर्मोमीटर को रखें।

- समय 3 से 5 min

-थर्मोमीटर आंख के स्तर पर करके तापमान पढ़ें

- रीडिंग रिकॉर्ड करें

-रेक्टल टेंपरेचर

- रोगी के घुटने ऊपर मोड़कर सिम स्थिति में रखें

-दस्ताने पहने

-थर्मोमीटर की नाँक को चिकना करें रोगी को गहरी सांस लेने का निर्देश दें

- समय 1 min • रीडिंग रिकॉर्ड करें

## 2. धड़कन (पल्सरेट)

1 मिनट में हृदय जितनी बार धड़कता है उसे धड़कन या पल्सरेट कहते हैं।

-इंसान की सामान्य धड़कन दर 60-100 बीट / मिनट होती है।

## 2 धड़कन मापने के तरीके

-पहली और दूसरी उंगली की सहायता से धीरे धीरे नाड़ी को महसूस करें।

- समय अधिकतम 60sec

-न्यूनतम 15sec

- गिनते समय घड़ी की तरफ देखते रहें।

## 3. रक्तचाप (ब्लडप्रेसर)

-रक्तचाप मापने वाले यंत्र को स्पिग्मोमेनोमीटर कहते हैं। इसकी इकाई है mm Of Hg

-सामान्य रक्तचाप 120/80mm of Hg रक्तचाप मापते समय 2 इकाई दर्ज की जाती हैं:

-उच्च संख्या को सिस्टोलिक और निचली संख्या को डाइस्टोलिक कहते हैं।

## 4. स्वासदर ( रेस्पिरेशन)

1 मिनट में ली जाने वाली संख्या को स्वासदर कहते हैं।

सामान्य स्वास दर 12 से 20 ब्रीथ पर ममिन .

# SESSION-3

-मरीज के लिए बि-स्तर बनाओ

-इस सत्र में हम बेड मेकिंग के बारे में पढ़ेंगे।

-जिसमें मरीज की समान सुविधाओं के बारे में हम पूरी करते हैं जैसे Mattress (गद्दा), Pillow, अच्छा वातावरण दूसरे कंफर्ट डिवाइस इत्यादि जिसमें मरीज को सोने में दिक्कत ना हो।

-बेडमेकिंग

## -उद्देश्य:

1. मरीज को सुरक्षित आरामदायक और अच्छी नींद देने के लिए।
2. ICU / वार्ड को अच्छा दिखने के लिए
  - 3 मरीज के लिए Bed Ready रखना जो इमरजेंसी कंडीशन या क्रिटिकल कंडीशन में हो।
3. अपना टाइम मेहनत और मटेरियल बचाने के लिए
4. मरीज को बेड बेदसोल से बचाने के लिए
5. मरीज को observe करने के लिए बेदसोल , मुख, Flygiene & मरीज की क्षमता के देखना।
6. साफ-सफाई को बढ़ावा देना।



7. GDA मरीज के बीच में अच्छी बातचीत या प्रभावित संबंध बनाना ।
8. मरीज को सक्रिय और निष्क्रिय बना के रखना।
9. मरीज के रिलेटिव को घर जाकर मरीज की देखभाल करना ।

**1. माइक्रो ऑर्गेनिजम सब जगह होते हैं जैसे आर्टिकल PT द्वारा प्रयोग किए गए हो या वातावरण में हो**

• नर्स द्वारा देखना और रोका जाना डायरेक्ट और इन्डायरेक्ट किसी माइक्रोऑर्गेनिजम का एक से दूसरे मरीज तक फैलना या बढ़ना।

2. सुरक्षित और आरामदायक बेड देना किसी मरीज को जो लंबे समय से बेड पर है जैसे बेदसोल फुटड्रॉप ।
3. शरीर की सही पोजीशन को बनाए रखने से मरीज को जल्दी आराम मिलना और थकावट ना होना।
4. कोई काम जब तरीके से या ठीक से किया जाए तो उसमें टाइम एनर्जी और मेटेरियल भी बचाया जा सकता है।

**\*बिस्तर बनाने का सामान्य परिचय**

1. हैंड वॉश पहले और बाद में
2. मरीज का बिना बात ही परेशान ना करना
3. मरीज को रूम में आनेवाली हवा से प्रोटेक्ट करना।

4. मरीज के फेस पर चद्दर को ना डालें।
5. गंदे बिस्तरकेसाथ-साफबिस्तरकोनाडालें।
6. मरीज के ऊपर कभी भी ब्लैकट ना डालें बात ब्लैकेट के अलावा कभी भी PA को बिना मकिनटोश के बिस्तर पर ना लेटने को कहें
7. बिस्तर को तरीके से हिलाएं।
8. बिस्तर को अपनी बाँडी या यूनिफार्म में टच ना होने दें।
9. अच्छी बाँडी मकैनिजम का ध्यान रखें
10. बेड को साफ सरल और अनरिंकल्ड करें।
11. टाइम एनर्जी एंड मटेरियल की बचत करें।
11. बेड क्लॉथ को इस तरह अरेंज करें कि दिन में मरीज फ्री रहे रात को शोल्डर तक कवर रहे और उसको टॉप लीनन ढीला रहे पैरों की तरफ से ।
12. बेड क्लॉथ को इस तरह अरेंज करें कि दिन में मरीज फ्री रहे रात को शोल्डर तक कवर रहे और उसको टॉप लीनन ढीला रहे पैरों की तरफ से ।
13. कॉटन मेट्रेस जो है वह मुड़ा हुआ हवा भरा हुआ या गाड़ी वाला ना हो
14. मरीज को मौसम के अनुसार ही ट्रीट करें उसी हिसाब से बिस्तर बनाएं या फिर मरीज के अनुसार भी तैयार किया जा सकता है

15. हमेशा मरीज की ज्यादा हेल्प करें बेड मेकिंग में और उससे गिरने से भी बचाए साइड की रेल को ऊपर करने से मरीज के गिरने का डर कम हो जाता है और हमारी भी मदद होती है।

16. जो मरीज किसी ऐसी बीमारी में है जो फैल सके उसके चहरे से हमेशा दूरी बनाकर रखनी चाहिए।

16. रोज बिस्तर, तकिया चेक करें उसमें कोई भी कीट हो तो उसे दूर कर मार दे।

### **- यूनिट ओर मरीज को तयार करना**

:- मरीज को प्रोसीजर समझाकर मरीज को कंफर्टेबल फील कराना चाहिए।

:- मरीज को कैसे ट्रीट करना है वह एक्सप्लेन करना।

:- मरीज को प्राइवेसी देनी चाहिए।

:- मरीज के बेड से दूसरे फर्नीचर को दूर करना चाहिए

: बेड दीवार से दूर रखना चाहिए।

:- अगर कोई बैकरेस्ट की जरूरत हो तो देनी चाहिए।

:- बेड के फुट एंड के साइड में कुर्सी रखनी चाहिए उस पर साफ बिस्तर रखने चाहिए, जो रिजर्व आर्डर में रखें।

:- लॉन्ड्री बैग आसपास ही रखना चाहिए।

## -स्ट्राइपिंग और री-मेकिंग ओपन बेड

1. वॉश हैंड

2. पिलो को हटाए और चेयर पर रखे, जो ओपन एंड पर हो  
और

एट्स से दूर • टॉप लीनन की हैंड एंड से फुट एंड की तरफ लूज करें।

- टॉप लीनन की हैंड एंड से फुट एंड की तरफ लूज करें।

- एक-एक करके सीट को हटाए और उसे फोल्ड करते रहे।

बेडशीट को लोअर साइड से मिडल साइड की तरफ फोल्ड करें

अप्पर साइड को लोअर Third साइड के साथ फोल्ड करें सेंटर

को अपनी तरफ फोल्ड करें तो ये 6 फोल्ड होंगे सीट को उल्टी

तरफ से चेयर पर रखें अगर उसे दोबारा यूज करना है तो, वरना लॉन्ड्री बैग में डालें।

- फोल्ड करें ड्रॉ सीट को

- अपोजिट एंड सेमि डल में फोल्ड करें बेड के दो एंड को पास रखें तो ये तीन फोल्ड होंगे अब सीट को चेयर पर रखें।

- मकिनटोश को फोल्ड करके चेयर पर रखें।

- बॉटम शीट को टॉप शीट की तरह 6 फोल्ड में फोल्ड करें। मैट्रेस को रिमूव करें अगर गंदा है तो मैट्रेस को पलट दे।  
‘मैट्रेस को ड्राई डस्टर से डस्ट करें।

- फर्नीचर के सरफेस को एंटीसेप्टिक लोशन के सॉल्यूशन वाले डस्टर से साफ करें, कम गंदी वाली जगह को **पहले साफ करें,**

-फिर ज्यादा गंदी वाली जगह को करें। मैट्रेस को उठाए उस पर कवर चढ़ाए अगर कवर लूज है, तो उसे मैट्रेस के नीचे दबाए।

-‘मैट्रेस को वापस बेड पर रखें, फिर बिस्तर को बिछाना शुरू करना है ।

-ब्लैकेट को 10-20 सेंटीमीटर रखना, बेड के टॉप से।

-‘ब्लैकेट के साथ एक Spread Sheet भी लगानी है।

- अब बेड के हेड एंड को मेंटेन करें

-मरीज की पोसिशन बदल कर दिखाय

**-रोगी की स्थिति बदलने के कारण**

1. डायफ्राम पर दबाव को कम करता है

2. यह फेफड़े को एक्सपैंड और कॉन्ट्रैक्ट होने में मदद करता है।

3. यह रक्त के संचार को उत्तेजित करता है।

4. यह गैस्ट्रो इंटेस्टाइनल फंक्शन में सुधार करता है।

### -प्रॉन पोजिशन

इसमें रोगी पेट के बल सपाट लेट जाता है और उसका सिर एक ओर मुड़ जाता है।

### उपयोग

कूल्हे के जोड़ का आंकलन करने में।

- पीठ की सर्जरी में उपयोगी है।

### विपरीत संकेत

- सांस या रीड की हड्डी की समस्या वाले रोगी

पेट की सर्जरी वाले रोगी

### -सुपाइन पोजिशन

इसे डोरसेल/ हॉरिजॉन्टल रिकम्बेंट पोजिशन भी कहते हैं। रोगी पीठ के बाल सपाट लेट जाता है और पैर फैलाकर और घुटने थोड़े मुड़े हुए होते हैं।

### उपयोग;

रोगी के सिर, गर्दन, छाती का शारीरिक परीक्षण

- रोगी की सुविधा के लिए महत्वपूर्ण संकेतों की जांच

### डोर्सल रिकम्बेन्ट पोजिशन

-रोगी को पीठ के बल सीधा लेटाएं साथ में घुटनों को मोड़ें।

### **उपयोग;**

-रेक्टल और वजाइनल एग्जामिनेशन

-फीमेल कैथेटराइजेशन

-लेफ्ट लेटरल पोजिशन रोगी को बाईं तरफ लेटाए ।

### **उपयोग**

- रेक्टल एग्जामिनेशन

### **फाउलर पोजिशन**

### **उपयोग**

रोगी को पीठ के बल सीधा लेटाएं साथ में घुटनों को मोड़ें।

### **उपयोग**

- रेक्टल और वजाइनल एग्जामिनेशन

फीमेल कैथेटराइजेशन

लेफ्ट लेटरल पोजिशन

रोगी को बाईं तरफ लेटाए।

### **उपयोग**

रेक्टल एग्जामिनेशन

## फाउलर पोजिशन

रोगी को पीठ के बल सीधा लेटाकर बेड के सिरहाने को उठाएंगे।

- क) हाई फाउलर पोजिशन जिसमें बेड के सिरहाने को  $90^\circ$  उठाएंगे
- ख) फाउलर पोजिशन जिसमें बेड के सिरहाने को  $45^\circ$  उठाएंगे
- ग) सेमी फाउलर पोजिशन जिसमें बेड के सिरहाने को  $30^\circ$  उठाएंगे

### उपयोग;

- सांस में परेशानी को ठीक करना

इंट्राक्रैनियल प्रेशर बढ़ने की स्थिति में बैक और थाईज की मसल्स को रिलैक्स करने में

### **निम्नलिखित सवालों का जवाब दें:-**

- 1) देखबल योजना क्या है ?
- 2) देखबल योजना की विशेष जानकारी दीजिये?
- 3) एक स्वस्थ व्यक्ति के क्या लक्षण होते हैं?
- 4) रोगी को भोजन परोसते समय क्या सावधानियां बरतनी चाहिए?
- 5) बिस्तर के विभिन्न प्रकार क्या हैं?
- 6) फाउलर स्थिति के क्या उद्देश्य हैं?



# **UNIT-3**

**(नसबंदी और कीटाणुशोधन)**

**(STERILIZATION & DISINFECTION)**

# SESSION – 1

## रोग सम्बंधी सूक्ष्मजीवों का वर्णन

### DESCRIBE THE DISEASE CAUSING MICROORGANISMS

- सूक्ष्मजीव (नसबंदी और कीटाणुशोधन Microorganisms) वे जीव जिन्हे मनुष्य नंगी आंखो से नही देख सकता तथा जिन्हे देखने के लिए सूक्ष्मदर्शी यंत्र की आवश्यकता पड़ती है। उन्हे सूक्ष्मजीव (Microorganisms) कहा जाता है। सूक्ष्मजैविकी (Microorganisms) में सूक्ष्मजीवों का अध्ययन किया जाता है।
- सूक्ष्मजीव कई प्रकार के होते है। इनमें बैक्टीरिया कवक (Fungi) आर्किया (Archer) और प्रोटोजाआ शामिल है। अधिकांश सूक्ष्मजीव एककोशकिय होते है और कुछ सूक्ष्मजीव बहुकोशकीय होते है।
- सूक्ष्मजीव जल, मिट्टी, झरनो, समुद्र और हवा सहित जीवमंडल में सभी जगह होते है।

रोगजनक रोगाणु हानिकारक होते हैं क्योंकि वे अन्य जीवों के भीतर आक्रमण करते हैं और बढ़ते हैं जिससे लोग, जानवरों और पौधों को मारने वाले रोग होते हैं।

- कुछ रोगाणु बहुत गर्म तापमान में जीवित रह सकते हैं और अन्य कड़ाके की ठंड में भी रह सकते हैं। कुछ को बढ़ने के लिए आक्सीजन की आवश्यकता होती है लेकिन कुछ बिना आक्सीजन के भी जीवित रह सकते हैं।

- सूक्ष्मजीव (Microorganisms)

• जीवाणु	• कवक	• प्रोटोजोआ	• शैवाल
• Bacteria	• Fungi	• Protozoa	• Algae

- रोग पैदा करने वाला सूक्ष्मजीव रोग पैदा करने वाले सूक्ष्मजीवों को रोगाणु या रोगजनक कहा जाता है। कुछ सूक्ष्मजीव या रोगाणु हमें स्वस्थ रखकर हमारे दैनिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं अन्य कुछ बुरे होते हैं जो रोग पैदा

करते हैं और रोगाणु कहलाते हैं। और संक्रमण फैलाकर मनुष्यों जानवरों और पौधों को बीमार करते हैं।

- कवक (Fungi) कवक बहुकोशिय होते हैं ये पौधों की तरह होते हैं। लेकिन इन्हें पौधे नहीं कहा जा सकता क्योंकि ये मिट्टी और पानी से अपना भोजन स्वयं नहीं बना सकते। कवक यूकेरियोटिक होते हैं इनके पास एक वास्तविक नाभिक होती है इसलिए यह अपने आप प्रजनन कर सकते हैं।
- वायरस (Virus) विषाणु विषाणु अकोशिकीय अतिसूक्ष्म जीव हैं जो केवल जीवित कोशिकाओं में पाये जाते हैं। इनका आकार 20-800 एनएम होता है विषाणु में कांटेदार परत होती है जिसे लिफाफा कहा जाता है। श्वसन सम्बंधित रोग और लार की बूंदों (छींक खांसी) द्वारा चेचक, रूषेला, खसरा, गंभीर श्वसन सिंड्रोम

योन सम्बंधित रोग, हेपेटाइटिसबी-, उकोला, बुखार, पीला बुखार, विषाणु से होने वाले रोग है ।

- जीवाणु )Bacteria) बैक्टीरिया एककोशिकीय जीव है वे आमतौर पर कुछ माइक्रोमीटर लंबे होते - है ये घुमावदार, छड, गोले के आकार के होते हैं ये पृथ्वी पर मिट्टी में अम्लीय गर्म जल धाराओ में पाये जाते है । जल में यहा तक कार्बनिक पदार्थों में तथा पौधो एवं जंतुओ के शरीर के भीतर पाये जाते है । साधरणतः एक करोड मिट्टी में 1 करोड जीवाणु तथा 2 मिलीलीटर जल में 20 लाख जीवाणु पाये जाते है ।
- परजीवी )Parasitism ) - ये वे जीव है जो किसी अन्य जीव पर आश्रित रहते है परजीवी जंतु कहलाते है। जैसे जोंक एंटमीला ये जीव एक दूसरे प्राणी के सम्पर्क में रहकर उनसे अपना भोजन तैयार करते है । भोजन प्राप्त करने वाले जीव परजीवी एवं जिनके शरीर से परजीवी अपना

भोजन तैयार करते हैं उन्हें पोषी कहते हैं ।  
 मलेरिया परजीवी, प्लाज्मोडियम, एंटअमीबा,  
 अमरबेल, परजीवीयों के कुछ उदाहरण हैं। परजीवी  
 जो प्रकार के होते हैं ।

- अंत परजीवी
- बाह्य परजीवी

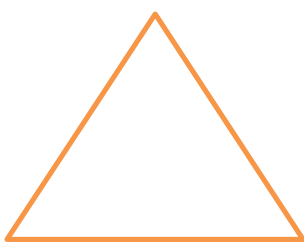
• अंत: परजीवी	• बाह्य परजीवी
<ul style="list-style-type: none"> <li>• ऐसी जीवधारी जो शरीर के अंदर रहकर के अपना भोजन प्राप्त करते हैं अंत: परजीवी । कहलाते हैं जैसे खटमल, मच्छर, जोंक, जू, अमरबेल आदि</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• ऐसे जीवधारी जो शरीर के बाहर से अपना भोजन प्राप्त करते हैं उन्हें बाह्य परजीवी कहा जाता है जैसे फीताकृमि, ऐस्कारिस, लीवर फ्लेक आदि</li> </ul>

- प्रोटोजोआ - ये आदिजन्तु एककोशिकीय जीव है इनकी कोशिका सुकेट्रिक प्रकार की होती है । ये साधारण सूक्ष्मदर्शी से आसानी से देखे जा सकते है कुछ आदिजन्तु प्राणियों में रोग उत्पन्न करते हैं उन्हें रोगजनक आदिजंतु कहते है अब तक लगभग 30,000 किस्म के आदिजंतु है ।
- शैवाल - शैवाल सरल जीव हैं अधिकांश शैवाल पोधों के समान सूर्यप्रकाश की उपस्थिति में - प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया द्वारा अपना भोजन स्वयं बनोते है ये स्वपोषी होते है ये एककोशिकीय से लेकर बहुकाशिय होते है ये जल, वृक्षों की छाल, नम दीवारों पर हरी, भूरी या काली परतों के रूप में पाये जाते है ।
- महामारी विज्ञान त्रिभुज - एपिडेमियोलॉजी शब्द तीन शब्द से आया है जैसे एपी का अर्थ है - ऑन, डेमो का अर्थ है लोग, ओलॉजी का अर्थ है अध्ययन, महामारी विज्ञान त्रिभुज एक मॉडल है

जिसमें वैज्ञानिक ने संक्रमण रोगों और वे कैसे फैलते हैं को समझाने के लिए विकसित किया है ।

- त्रिभुज के तीन कोने हैं जैसे एजेंट मेजबान और पर्यावरण

- होस्ट (मेजबान)



एजेंट

पर्यावरण

1. एजेंट जो बीमारी का कारण बनता है जैसे -  
कवक, जिवाणु, बिजाणु
2. होस्ट - होस्ट वे जीव होते हैं जो (मेजबान)  
बिमार होते हैं या बीमारी को आश्रय देते हैं ।



3. पर्यावरण - पर्यावरण बाह्य कारक होता है जो संक्रमण को फैलने के लिए स्थिति प्रदान करता है रोग को फैलाता है ।

**रोग पैदा करने वाले सूक्ष्मजीवी का वर्णन**  
{प्रश्न - उत्तर }

**प्रश्न-1 सूक्ष्म जीव क्या है ?**

उत्तर सूक्ष्म जीव जिन्हे मनुष्य खुली आंखों से नहीं देख सकता तथा जिन्हे देखने के लिए सूक्ष्मदर्शी यंत्र )Microscope) की आवश्यकता होती है।

**प्रश्न-2 रोगजनक या रोगाणु क्या है ?**

उत्तर रोग पैदा करने वाले जिवाणु )Bacteria) को रोगाणु या रोगजनक कहते हैं ।

**प्रश्न-3 कवक (Fungi) क्या है?**

उत्तर कवक एक प्रकार के जीव है जो अपना भोजन सड़े गले मृत कार्बनिक पदार्थों से प्राप्त करते हैं ।

**प्रश्न-4 रोग क्या है ?**

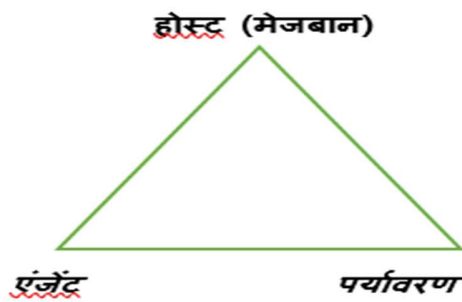
उत्तर शरीर के किसी अंग की संरचना का बदल जाना या उनके कार्य करने की क्षमता में कमी आना रोग कहलाता है ।

**प्रश्न-5 वायरस क्या है ?**

उत्तर विषाणु या वायरस एक पौधे के बीज की तरह अकोगिकीय सूक्ष्मजीव है जिस तरह एक बीज हजारों वर्ष तक सुरक्षित रह सकता है अगर उसे पानी और हवा ना मिले तो ठीक उसी तरह विषाणु को अगर कोशिका ना मिले तो वह सैकड़ों वर्ष तक जीवित रह सकता है।

**प्रश्न-1 महाकारी विज्ञान के त्रिकोण के तीन कोण को समझाइए ?**

उत्तर महामारी त्रिकोण में समझाया गया है कि संक्रमण त्रिकोण द्वारा समझा



1. एजेंट - जो बीमारी का कारण बनता है जैसे कवक, जिवाणु, विषाणु
2. होस्ट - होस्ट वह जीव होते हैं जो (मेजबान) बिमार हो जाते हैं या बिमारी को आश्रय देते हैं ।
3. पर्यावरण पर्यावरण बाह्य कारक होता है जो संक्रमण को फैलने के लिए उपयुक्त स्थिति प्रदान करते हैं । रोग को फैलाता है ।

## प्रश्न-2 संक्रमण या इन्फेक्शन क्या है?

उत्तर जब रोगाणु शरीर के अन्दर प्रवेश कर अपनी संख्या को बढ़ाता है या वृद्धि करता है और सारे समुदाय को रोगी बनाता है उसे संक्रमण कहते हैं ।

## प्रश्न-3 रोगाणुओं की संचरण के विभिन्न प्रकार क्या हैं?

उत्तर रोगाणुओं का संचरण दो प्रकार से होता है:

1. प्रत्यक्ष संपर्क
2. अप्रत्यक्ष संपर्क

1. प्रत्यक्ष संपर्क संक्रमण एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति के सीधे संपर्क में आने से फैलता है ।

2. अप्रत्यक्ष संपर्क संक्रमण खांसी, छीक से वातावरण में जो रोगाणु होते हैं उसके संपर्क - में आने से फैलता है ।

**प्रश्न-4 पेथोजन और परजीव (रोगाणु)ी में अंतर बताओ?**

<ul style="list-style-type: none"> <li>• पेथोजन ( रोगजनक )</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• परजीवी</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>• रोगाणु रोग पैदा करने वाले होते है।</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• परजीवी अपने भोजन के लिए दूसरे जीव पर निर्भर करते है।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>• सभी रोगाणु पैदा करते है।</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• सभी परजीवी रोग पैदा नहीं करते है।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>• रोगाणु शरीर में कही भी पाए जा सकते है ।</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• अधिकांश परजीवी पेट या पेट के आस पास पाये जाते है ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>• रोगाणु का उदाहरण टायफाइड, टी.बी आदि।</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• परजीवी का उदाहरण मलेरिया है</li> </ul>

**प्रश्न-5 रोग और विकार में अंतर लिखिए ?**

<ul style="list-style-type: none"> <li>• रोग</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• विकार</li> </ul>
---	---

<ul style="list-style-type: none"> <li>• रोग का मतलब शरीर के अंग के संरचना का बदल जाना और सही ढंग से कार्य ना करना</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• असामान्य तरीके से मानसिक रूप से कार्य न कर पाना</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>• ज्यादातर रोग रोगाणुओं के कारण होते हैं</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• अधिकांश विकार रोगाणुओं के कारण नहीं होते</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>• रोग फैल सकता है</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• विकार फैलता नहीं है</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>• रोग का कारक बाहरी होता है जैसे रोगाणु</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• विकार का कारक आंतरिक होता है जैसे अनुवांशिक जन्म से आदि</li> </ul>

### प्रश्न-6 सूक्ष्मजीवी और रोगाणु में अंतर बताएं?

<ul style="list-style-type: none"> <li>• सूक्ष्मजीवी</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• रोगाणु</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>• वे जीव जिन्हें देखने के लिए सूक्ष्मदर्शी</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• वे जीव जो रोग पैदा करते हैं रोगाणु</li> </ul>

की आवश्यकता होती है	कहते हैं
• सभी सूक्ष्मजीवों से रोग पैदा नहीं होते	• सभी रोगाणु से रोग पैदा होते हैं ।
• कुछ सूक्ष्मजीव मानव के लिए उपयोगी होते हैं जैसे दूध का दही में बदलना	• रोगाणुओं से सिर्फ नुकसान होता है लाभ नहीं होता
• उदाहरण लैक्‌ओबैसिलस	• उदाहरण- टिटनेस माईको बैक्टीरियम आदि

### प्रश्न-7 लक्षण और संकेत के बीच अंतर बताइये?

• लक्षण	• संकेत
• एक रोगी जो	• एक डाक्टर रोगी की

<p>अनुभव करता है करता है वह लक्षण है</p>	<p>जांच करके महसूस पता लगाता है वह संकेत है।</p>
<ul style="list-style-type: none"> <li>• उदाहरण एक रोगी के दांत में दर्द है जो केवल रोगी ही वह अनुभव करेगा । कोई दूसरा नहीं</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• रोगी के बुखार को पता करने के लिए डाक्टर रोगी की त्वचा को स्पर्श कर थर्मामीटर से पता करेगा वह संकेत है ।</li> </ul>

### प्रश्न -8 मलेरिया क्या है?

उत्तर 1. यह एक परजीवी से होने वाला रोग है ।

2. यह प्लाज्मोडियम परजीवी की वजह से होता है ।



3. यह संक्रमित मादा मच्छर के (एनोफिलिस) काटने से होता है ।

4. इसके अदाहरण ठंड लगना, बुखार आना, उल्टी आना है ।

**प्रश्न -9 रोगाणु के शरीर के अंदर जाने के मार्ग क्या हैं ?**

उत्तर 1. श्वसन मार्ग -सांसो से नाक और मुंह के माध्यम से शरीर के अंदर प्रवेश

2. पाचन मार्ग दूषित खाना खाने और दूषित - पानी के सेवन या हाथ ना धोने के कारण शरीर में प्रवेश करते हैं ।

3. मूत्र मार्ग से प्रवेश करते

4. त्वचा के छिलने छिलने से, कट जाने से, घाव होने से शरीर में प्रवेश कर जाते हैं --।

**प्रश्न-10 एपिडिमियोलॉजी शब्द किन शब्दों से मिलकर बना है ?**

उत्तर एपिडिमियोलॉजी शब्द तीन ग्रीक शब्द से मिलकर बना है एपी का अर्थ आँन, बीफॉल डेमोका अर्थ लोग व आलापी का अर्थ अध्ययन ।

**प्रश्न-11 एंजेट क्या होता है ?**

उत्तर एंजेट सूक्ष्मजीव होते हैं जो बिमारी का कारण बनते हैं ।

**प्रश्न-12 रोगजनक क्या है?**

उत्तर रोगजनक एक सूक्ष्मजीव है जिसमें रोग पैदा करने की क्षमता होती है ।

**प्रश्न-13 माइक्रोबायोलॉजी का मतलब क्या है ?**

उत्तर माइक्रोबायोलॉजी एक ब्रांच है। जिसमें प्रोटोजोआ बैक्टीरिया वायरस जैसे सूक्ष्मजीव का अध्ययन करते हैं ।

## SESSION - 2

(सामान्य मानव रोगों के कारक एजेंटों का वर्णन करें)

(DESCRIBE THE CAUSAL AGENTS OF COMMON HUMAN DISEASES)

एक बीमारी विशिष्ट लक्षणों और संकेतों से जुड़ी होती है। बीमारी शब्द का अर्थ है बिना आसानी के रोग - (बैचेनी )

- संकेत और लक्षण के बीच अंतर साइन और लक्षण अलगअर्थ वाले शब्द हैं। लक्षण - अलग-ऐसी समस्याएं हैं जो रोगी नोटिस करता है या महसूस करता है संकेतों हैं जो एक डॉक्टर जांच करके पता लगाता है।
- संक्रमण रोग- संक्रमण रोग फैलने वाले रोगाणुओं के कारण होने वाले रोग हैं। सामान्य सर्दी - और फ्लू जैसे कई बीमारियां हैं जो प्रकृति में संक्रामण रोगाणुओं जीवों द्वारा होते हैं सबसे

आम संक्रमण रोग पैदा करने वाले रोगाणु बैक्टीरिया वायरस, कवक और प्रोटोजोआ हैं ।

### **सामान्य मानव रोग:**

- एथलीट फुट एक संक्रमण कवक और संक्रमण : कवक मो पैरो में खुजली, फफोले और दरार जैसे रोग उत्पन्न करता है ।
- ऑटोबम्य रोग जब प्रतिरक्षा प्रणाली हमारे : शरीर की अपनी कोशिकाओ, उत्को और अंगो पर यह सोचकर हमला करती है किवे बाह्य आक्रमणकारी है ।
- कैंसर जब हमारे शसारा में कोशिकाओ को : अनियमित और अनियंत्रित विभाजन होने लगता है और जो ट्यूमर बनाता है
- हेजा यह छोटी आंज का संक्रमण रोग है : बार दस्त-जिसमें बार, उल्टी और माशपेशियों में एंठन और शरीर में पानी की कमी का कारण बनता है।

- चिकनपाक्स यह एक वायरल संक्रमण रोग है : जिसमें शरीर के उपर फफोलेदार लाल दाने हो जाते हैं ।
- दीर्घकालीन फेफडो की बीमारी ये दीर्घकालीन : फेफडो की बीमारी है जो फेफडो प्रभावित करती है इसमें फेफडे ठीक से अपना कार्य नहीं कर पाते हैं ।
- कोरोनरी धमनी रोग इसमें हृदय की अंदर की परतो में कालेस्ट्रॉल जम जाता है ।
- हेपेटाइटिस ए इसमें वायरस के कारण लीवर : संक्रमण हो जाता है यह संवमित भोजन और पानी निगलने से फैलता है ।
- हेपेटाइटिस बी वायरस के कारण यकृत में सूजन जलन होती है वायरस वाले व्यक्ति के रक्त या शरीर के तरल पदार्थ के संपर्क में आने से हेपेटाइटिस बी हो सकता है ।

- हेपेटाइटिस सी: वायरस के कारण लीवर का संक्रमण जो आमतौर पर रक्त और उत्पादों और कभीकभी यौन सम्पर्क के माध्यम से फैलता है -  
।
- मलेरिया: एक संक्रमण रोग है जो मादा मच्छरों द्वारा फैलता है। यह लाल रक्त कोशिकाओं को प्रभावित करता है। बुखार आना, ठंड लगना, पसीना आना इसके लक्षण हैं।
- मेनिंजाइटिस जो झिल्ली मस्तिष्क और रीढ़ : की हड्डी को कवर करती है इसमें उस झिल्ली में सूजन आ जाती है ये बैक्टीरिया या वायरस के कारण होती है।
- निमोनिया फेफड़ों का संक्रमण और तीव्र पुरानी : सूजन है।
- पीलिया एक वायरल संक्रमण जो तंत्रिका : कोशिका पर हमला करता है। जो माशपेशियों को सक्रिय करता है।

- रेबिज एक तीव्र :, संक्रमण और अक्सर घातक बीमारी हैं जो केंद्रीय तंत्रिका मस्तिष्क और रीढ़ ) पर हमला करती है और संवमित (की हड्डी जानवर के काटने से मनुष्य में फैलती है ।
- टायफाइड बुखार बैक्टीरिया के कारण होने : वाला एक तीव्र संक्रमण
- रोग जो दूषित भोजन या पानी से फैलता है। इसके लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, खांसी, आंतों से खून आना, त्वचा में गुलाब रंग के धब्बे शामिल है।
- काली खांसी एक जीवाणु संक्रमण जिसमें : बहनी नाक, बुखार, आंख की झिल्ली की सूजन और एक विशिष्ट खांसी होती है
- क्षय रोग क्षयरोग एक गंभीर संक्रमण और : बैक्टीरिया से होने वाली बीमारी है जो फेफड़ों को प्रभावित करती है। यह (Mycobacterium Tubercular Bacteria) द्वारा होती है।

- पीला बुखार एक संक्रमण उष्णकीटबंधीय रोग : जो मच्छरो के काटने
- से फैलता है । संक्रमित लोगों को तेज बुखार, पीलिया, काली उल्टी,
- पाचन तंत्रों में खून बहना ।

**सामान्य मानव के प्रेरक कारकों का वर्णन करे। {प्रश्न – उत्तर }**

**प्रश्न-1 बैक्टीरिया के वजह से होने वाले तीन रोगों के नाम लिखिये ?**

**उत्तर** 1- हैजा , 2- निमोनिया , 3- काली खांसी

**प्रश्न-2 वायरस के कारण होने वाले 5 रोगों के नाम बताइये?**

**उत्तर** 1- हेपेटाइटिस, 2- हेपेटाइटिस (ए), 3- एडस 4- पोलियो, 5- रेबीज,



6- स्वाई फलू।

**प्रश्न-3 कवक के कारण होने वाले 2 रोगों के नाम लिखिए ?**

**उत्तर** 1- एथलीट फुट, 2 - दमा, 3- दाद, 4- गंजापन

**प्रश्न -4 एंटीबायोटिक दवा क्या होती है ?**

**उत्तर** एंटीबायोटिक दवा बैक्टीरिया के खिलाफ काम करती है ।

**प्रश्न-5 टीका क्या काम करता है ?**

**उत्तर** टीका सभी रोगाणुओं (GERMS) के खिलाफ कार्य करता है ।

**प्रश्न-1 एथलीट फुट क्या है?**

**उत्तर** कवक से फैलने वाला संक्रमण है जो पैरों की उंगलियों के बीच में होता है इसमें त्वचा में खुजली छाला और त्वचा लाल हो जाती है ।

## **प्रश्न-2 ऑटो इम्यून रोग क्या है?**

**उत्तर** ऑटो इम्यून रोग (autoimmune Disease) एक ऐसी स्थिति है जिसमें हमारी शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली (ImmUNITY Power) गलती से अपनी ही कोशिका पर हमला कर देती है ।

## **प्रश्न-3 कैंसर क्या है ?**

**उत्तर** कैंसर इसमें असामान्य कोशिकाओ (Tissue) की अनियतित (Uncontrol) वृद्धि हो जाती है जो पूरे शरीर में फैल जाती है ।

## **प्रश्न-4 चेचक क्या है ?**

**उत्तर** 1. चेचक स्माल पॉक्स इसे बड़ी माता / बड़ी माता / के नाम से भी जाना जाता है ।

2. यह रोग वायरस से होता है इस बिमारी में फफोला और घाव हो जाते है ।

**प्रश्न-5** हैजा क्या है ?

**उत्तर** 1. हैजा (Cholera) बैक्टीरिया से होने वाला रोग है ।

2. यह बिल्लीयों, कोलेराई बैक्टीरिया के कारण होता है

|

3. यह दूषित भोजन या पानी के सेवन से होता है ।

**प्रश्न-1** काली खांसी क्या है (Pertussis)

**उत्तर** 1. काली खांसी श्वासंग तंत्र में होने वाले संक्रमण रोग है वह जीवाणु से होने वाला रोग है। (Pertussis) और कुफूर खांसी के नाम से भी इसे जाना जाता है।

2. (Pertussis) जीवाणुओं के कारण होता है।

3. इसके लक्षण है लगातार खांसी आना, खांसी के समय (whoop) की आवाज आना।

**प्रश्न-2** यूआई क्या है.टी.?

**उत्तर** 1. UTI (Urinary Tract Infection) मूत्रमार्ग का संक्रमण मूत्र तंत्र के किसी भी भाग में संक्रमण होने को (UTI) कहते हैं ।

2. इसके लक्षण पेशाब करते समय दर्द होता है ।

3. कभीकभी पेशाब के साथ रक्त भी आने लगता है -  
।

4. इसमें बुखार और उल्टी भी आती है ।

**प्रश्न-3** टी क्या है .बी.?

**उत्तर** 1. टीक्षय रोग है । यह (ट्यूबरक्यूलोसिस) .बी. संक्रामक रोग है ।

2. यह माईकोबेक्टेरियम ट्यूबक्यूलोसिस नामक जीवाणु से होता है ।

3. इसके लक्षण बुखार आना, कापना, खांसी होना, छाती में दर्द, भूख ना लगाना है।

**प्रश्न -4** रेबीज क्या है ?

**उत्तर** 1. यह जानलेवा वायरस है जो संवर्धित पशुओं के लार से मनुष्यों में पहुँचा है ।

2. यह मुख्य कुत्ते के काटने से फैलता है ।

**प्रश्न-5** साइनसाइटिस क्या है?

**उत्तर** 1. यह एक ऐसी अवस्था है जिसमें नाक की नली के आसपास क्षेत्रों में सूजन हो जाती है ।

2. नाक की नली के आसपास चेहरे की हड्डी के भीतर हवा का रिक्त स्थान रहता है। जिसे साइनस कहते हैं ।

3. जब इस साइनस में सूजन आ जाती है तो उसे साइनोसाइटिस कहते हैं ।

4. इसमें नाक बंद होना, बुखार आना शामिल है।

**प्रश्न-6** पोलियो क्या है ।

**उत्तर** 1. पोलियो एक संवर्धित रोग है जो पोलियो वायरस का कारण होता है ।

2. यह ज्यादातर छोटे बच्चों को होता है ।

3. यह बीमारी बच्चों के किसी भी अंग को जिंदगी भर के लिए कमजोर कर सकती है।

**प्रश्न-7** निमोनिया क्या है?

**उत्तर** 1. यह एक संक्रामक रोग है

2. यह प्लाज्मोडियम परजीवी की वजह से होता है ।

3. यह संवर्धित मादा मच्छर के काटने (एनोफिलेज) से होता है ।

**प्रश्न-8** हेपेटाइटिस ए क्या है?

**उत्तर** 1. हेपेटाइटिस वायरस से फैलने वाला रोग है (ए) यह लिवर को प्रभावित करता है ।

2. यह ज्यादातर संवर्धित भोजन और पानी से फैलता है ।

## SESSION – 3

हॉस्पिटल एक्वायर्ड संक्रमण के नियंत्रण और  
रोकधाम में अस्पताल कर्मियों की भूमिका को

समझना

*Understanding the role of hospital personnel  
in prevention and control of hospital acquired  
infections*

इस सत्र में आपको हॉस्पिटल एक्वायर्ड संक्रमण के प्रसार को नियंत्रण करने और रोकने में डाक्टरों, नर्सों, जनरल ड्यूटी सहायको और अन्य कर्मियों की भूमिका के बारे में सीखना होगा।

अस्पताल एक्वायर्ड संक्रमण

जोखिम कारक

संक्रमण को नियंत्रित करना: संक्रमण के प्रसार को नियंत्रित करता है और निम्नलिखित को अपनाने से कम किया जा सकता है। एंटीबायोटिक दवा को सतर्कता से

उपयोग करे। रोगी की देखभाल में शामिल सभी अस्पताल में सखती

संक्रमण नियंत्रित प्रक्रियाओं और नीतियों के साथ अस्पताल में सखती।

अस्पताल प्रबंध की भूमिका:

चिकित्सको की भूमिका चिकित्सको की रोकथाम नियंत्रण : के लिए अधितीय

जिम्मेदारिया है।

सूक्ष्मजीव विज्ञानियों की भूमिका विज्ञानियों की रोकथाम : और नियंत्रण में निम्नलिखित के लिए जिम्मेदार है जैसे आवधिक संग्रह।

नर्सों और सामान्य ड्यूटी सहायकों की भूमिका: संक्रमण नियंत्रण के लिए रोगी देखभाल प्रथाओं के कार्यान्वयन के नर्सिंग स्टाफ की भूमिका है

1. वरिष्ठ नर्सिंग प्रशासक
2. नर्स और जीडिए
3. नर्स और जीडिए संक्रमण



केन्द्रीय निष्फल सेवा की भूमिका: ( जीवाणुहीन )

केंद्रिय जीवाणुहीन सेवा की जिम्मेदारियों अस्पताल उपकरण को साफ करना, परीक्षण, प्रयोग के लिए तैयार करना, उबालना व सभी उपकरणों को संभाल कर रखना ।

खाध सेवा विभाग की भूमिका: खाध सेवा विभाग के खाध पदार्थों, उपकरण उपयोग की खरीद के लिए भानको और मानदंडों और खाध सुरक्षा और गुणवत्ता सेवा के एक उच्च स्तर को बनाये रखने के लिए इतनी के रूप में प्रक्रियाओं की सफाई के लिए जिम्मेदार है ।

कपडे धोने की सेवा की भूमिका:

1. लांड्री सेवा विभाग
2. हाउसकीपिंग विभाग

**( हॉस्पिटल एक्वायर्ड संक्रमण के नियंत्रण और रोकधाम में अस्पताल कर्मियों की भूमिका को समझना ) { प्रश्न - उत्तर }**

**प्रश्न 1** निम्नलिखित में से सही उत्तर चुने ।  
क्लोरोैम्फेनिकॉल एक है :

(कएंटीहिस्टामिनिक ( (खएंटीसेप्टिक ( )  
और काटाणु नाशक

(गब्रांट स्पेक्ट्रम- एंटीबायोटिक ( (घएंटीफर्टिलिटी ( )  
ड्रग

**उत्तर**

**प्रश्न 2** निम्नलिखित में कौन बीजाणु को खत्म नहीं कर सकता?

(कओटोकलेव ( (खगर्म हवा ( )  
नसबंदी

(गभस्मीकरण ( (घ ( )  
पास्तरीकरण

**उत्तर** पास्तरीकरण

**प्रश्न 3** निम्न में से दूध को किस तापमान पर पास्तरीकरण करना चाहिए?

(क (63 सी पर 30 मिनट  
मिनट

(ख (73 सी पर 30

(ग (72 सी पर 60 मिनट  
मिनट

(घ (72 सी पर 6

**उत्तर 63 सी पर 30 मिनट**

**प्रश्न 4** निम्न में से कौन सा रसायन रोजनवा जीतो को मारता है लेकिन जाणुओ को नही मारता?

(क (निस्संक्रामक

(खनिर्जीवाणुकर (

(गकाटाणुशोधन (

(घशोरबा (

**उत्तर निस्संक्रामक**

**प्रश्न 5** निम्न में से ऑटोक्लेव में कौन सा रोगाणु होता है?

(कदस्ताने (

(खड्रेसिंग (

सामग्री

(गसंस्कृति मीडिया (

(घउपयुक्त (

सभी

**उत्तर उपयुक्त सभी**

**प्रश्न -1** खाली स्थान )1 X5 = 5)

1. निर्जमीतारण प्रक्रिया में सभी सूक्ष्मजीवों को उनके बीजाणु सहित नष्ट किया जाता है ।
2. स्टेरलाइजेशन के शीर्ष तीन शारिरिक तरीके उष्मा \_\_\_\_\_ फिल्टरकरण और विषिकरण कीटाणुशोधन है ।
3. ऑटोकलेविंग रोगागुनाशन को 121 डिग्री सेल्सियस पर 30 मिनट या प्रीवैक्यूम स्टेरलाइजर में 132 डिग्री सेल्सियस पर 4 मिनट का तापमान नियंत्रित होता है।
4. फार्मलडिहाइड घूगन लंबे समय से उन संत्रों के लिए एक स्वीकृत तरीका रहा है जहां सूक्ष्मजीव विज्ञानी सफाई की आवश्यकता होती है ।
5. धूनी दो प्रकार की होती है गैस और ठोस ।

**प्रश्न-2** अति लघु प्रश्न ) उत्तर /3 X 3 = 5)

1. अस्पताल जनित संप्रामण को नोसोकॉगियल संक्रमण भी कहा जाता है अस्पताल में भर्ती होने पर 48 घंटे के बाद होने वाले संक्रमण या बीमारी को अस्पताल जनित

संक्रामण कहते है इसमें रोगी जब भर्ती होता है त बवह उस रोग से पीडित नही रहता अस्पताल में मौजूद संक्रमण से नई बीमारी होती है उसे अस्पताल जनित संक्रमण कहते है ।

2. सूक्ष्मजीव विज्ञान और रोग विज्ञान में अंतर लिखिए ।

<b>सूक्ष्मजीव विज्ञान</b>	<b>रोग विज्ञान</b>
<ul style="list-style-type: none"> <li>इसमें विभिन्न प्रकार के सूक्ष्मजीवी का विश्लेषण किया जाता है जो आस पास के दुनिया को प्रभावित करता है।</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>रोग विज्ञान में बीमारियों के कारण का विश्लेषण किया जाता है कोशिका और उन पर रिसर्च किया जाता है</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>सूक्ष्मजीव विज्ञान में सूक्ष्मजीव से सम्बंधित विभिन्न क्षेत्रो में रिसर्च करते है जैसे पर्यावरण भोजन उधोग आदि</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>रोग विज्ञान में रोग सम्बंधित रोग के कारण पर रिसर्च करते है जैसे पेड, पशु, मानव जीवन आदि</li> </ul>

**प्रश्न-3** संक्रमण और अस्पताल जनित संक्रमण के अन्तर लिखिए ।

<b>संक्रमण</b>	<b>अस्पताल जनित संक्रमण</b>
<ul style="list-style-type: none"><li>• रोगाणु हमारे शरीर में प्रवेश कर अपनी संख्या में वृद्धि कर हमें बीमार बना देते हैं।</li></ul>	<ul style="list-style-type: none"><li>• अस्पताल में भर्ती होने के बाद होने वाले संक्रमण को अस्पताल जनित संक्रमण कहते हैं ।</li></ul>
<ul style="list-style-type: none"><li>• संक्रमण कभी भी व्यक्ति को उसके आसपास के परिवेश से हो सकता है।</li></ul>	<ul style="list-style-type: none"><li>• यह संक्रमण रोगी को अस्पताल में भर्ती होने के बाद 48 घंटे बाद होता है ।</li></ul>

**प्रश्न -4** लघु प्रश्न )1 X5 = 5)

1. हॉस्पिटल एक्वायर्ड इनफेक्शन या अस्पताल (हाई) ए की .डी .जनित संक्रमण को नियंत्रित करने में जी भूमिका और कार्य क्या है?

**उत्तर:**

- सर्व भैमिक सावधानियों का सख्ती से ( यूनिवर्सल) पालन करना जैसे दस्ताना आउटन कैप लगाना आदि ।
- पालन करना और वार्ड में अच्छा नर्सिंग अभ्यास करना, किटाणु शोधन तकनीक का मॉनिटरिंग करना साथ ही किसी भी प्रक्रिया से पहले और बाद में हैंडवाशिंग करना ।
- रोगी में किसी प्रकार के संक्रमण के लक्षण दिखाई देने पर डाक्टर को सूचित करना।
- फैलने वाले रोगों के लक्षण दिखाई देने पर रोगी को अलग से दूसरे वार्ड में रखना ।
- रोगी का कम से कम, सामना कराना रिश्तेदारों से, अस्पताल के कर्मचारियों और उपकरण से अस्पताल

की सुरक्षा को बनाये रखना साफ पानी उपकरण आदि  
की पूर्ति कराना ।



## **SESSION-4**

### **(कीटाणुरहित वार्ड और उपकरण)**

#### ***(Disinfecting ward and equipment)***

सूक्ष्मजीवो हर जगह मौजूद है । वे संदूषण संक्रमण और क्षय का कारण है, उसे हटाने या अस्पताल में माल से या क्षेत्रो से उनहे नष्ट करने के लिए आवश्यक हो जाता है अस्पताल में सूक्ष्मजीवों के प्रसार को रोकने के क्रम में अपनाया विभिन्न उपाय कर रहे है । गुड हाउसकीपिंग एक अस्पताल में सर्वोपरि का महत्व है। सुरक्षित, स्वच्छ व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए एक अस्पताल में सभी कर्मियों की जिम्मेवारी है। हर मरीज को अस्पताल एक वायर्ड संक्रमण से बचाया जाने का अधिकार है। रोगियों HAI से सुरक्षित कर रहे है कि यह सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न प्रक्रियाओ और प्रथाओ के भौतिक, रासायनिक और अन्य तरीको

का उपयोग कर सफाई, बंध्याकरण और काटाणु सोधक में शामिल है जो अपनाया जाता है । इस सत्र में, आप वार्ड और उपकरण (Disinfection) में मेडिकल स्टाफ द्वारा अपनाई गई विभिन्न एजेंटो, मशीनो, उपकरण और तरीको के बारे में सीखना होगा।

हमें पहले की रोकथाम और सूक्ष्मजीवो के नियंत्रण में इस्तेमाल ऐसी सफाई, बंध्याकरण ओर काटाणुसोधन के रूप में आप शब्दो में से कुछ के अर्थ को समझने की कोशिश करते है ।

जैसेसफाई सफाई काटाणुसोधन से पहले एक : भूमिका निभाता है। - महत्वपूर्ण प्रारंभिक सफाई मिट्टी और अन्य गंदगी को दूर करने और माईक्रोबियल बेस को कम करने, जीवाणु रहित और अधिक प्रभावी बनाने में मदद करता है। इसमें साफ करने की मशीन, स्वाइम मशीन, फर्श (Scrubbing) मशीन आदि यंत्र इस्तेमाल होते सफाई के भी कई

प्रकार हैदैनिक -ः, अत्यधिक सफाई, कीड़े और कीट भगाना, कचरा हटाना ।

- ❖ बंध्याकरण: बंध्याकरण एक सतह या माध्यम वनस्पति या बिजाणुओ में या तो सभी जीवित सूक्ष्मजीवो के मुक्त कर दिया है जिसके द्वारा प्रक्रिया के रूप में परिभाषित किया गया है ।
- ❖ काटाणुशोधन काटाणुशोधन संक्रमण को : जन्म देने में सक्षम विनाश यासभी रोगजनक जीवो को मारने में काम आता है ।
- ❖ प्रतिरोधन प्रतिरोधन आमतौर पर घाव या - उत्क में जीवाणुओ के विकास को रोकते हुए संक्रमण की रोकथाम इंगित कराने के लिए प्रयोग किया जाता है ।
- ❖ शुद्धीकरण इसके अंतरगत :(Antiseptic) और (disinfectants) आते है ।

- ❖ रोगाणुशोधी एजेंट गतिविधि को :  
प्रभावशीलता और दवाईयो की कारवाई की रोगाणुरोधी मोड ।
- ❖ (Disinfectants)
- ❖ अस्पताल में कीटाणुशोधन के आम तरीके जैसे साबुन और डिटर्जेंट, हैलोजन आदि आयोडीन और लोडाफोर )Lodophore )

### (वार्ड और उपकरण कीटाणु रहित करना)

प्र० रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये । ( 1 X5 = 5)

1. फॉर्मलडिहाइड दोनों तरल और गैसीय रूप में एक कीटाणु शोधन और बंध्याकरण के रूप में प्रयोग किया जाता है।

2. प्रति शोधन सूक्ष्मजीवों को मारने के लिए त्वचा और लेष्मा झिल्ली पर इस्तेमाल किया जाता है ।

3. 3 प्रतिशत पेरॉक्साइड छोटे अघात घाव के लिए उपयोग किया जाता है

4. प्लास्टिक और कांच के बने पदार्थ कीटाणु शोधन के लिए 0.2 से

1. (PEROXYACETIC ACID) का उपयोग किया जाता है

5. त्वचा को डिसइन्फेक्ट करने के लिए 0.1 प्रतिशत पोटशिम परमैंगनेट का उपयोग किया जाता है ।

**प्र० प्रश्न उत्तर /**

**( 1 X 2 = 2 )**

**(2 X5 = 10 )**

**कस्टरलाइजेशन क्या है / बंध्याकरण (?)**

**उ०** सूक्ष्मजीवों और उसके सभी रूपों को मारने और पूरी तरह से हटाने की प्रक्रिया को बंध्याकरण कहा जाता है ।

**ख कीटाणु शोधन क्या है (?)**

**ड०** अधिकांश रोग उत्पन्न करने वाले सूक्ष्म जीवों को निर्जीव वस्तुओं से हटाने या निकालने की प्रक्रिया का कीटाणु शोधन या डिसइन्फेक्शन कहा जाता है ।

## गशुद्धीकरण क्या है (?)

30 शुद्धीकरण सफाई करने की प्रक्रिया है इसमें उपकरण और उसके सतह से सूक्ष्मजीवों और उसके हारिकारक रसायनों गंदगी, संदूषण को हटाया जाता है।

## घसफाई क्या है (?)

ड० संध्याकरण और कीटाणु शोधन पहले मिट्टी और अन्य गंदगी को दूर किया जा रहा है जिसे सूक्ष्मजीवों की संख्या कम हो सके और बंध्याकरण और कीटाणु शोधन को और अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सके। जैसे फर्श पर झाड़ू लगाना, पोछा लगाना, कचरा हटाना, पानी से साफ करना।

## ड डिसिइनफेक्टेंट क्या है / कीटाणु नाशक (?)

ड० यह सूक्ष्मजीवों को मारने वाला लारवा होता है इसे निर्जीव वस्तुओं के सतह पर लगाया जाता है जिससे वस्तु की सतह पर रहने वाले सूक्ष्मजीवों को नष्ट किया जा सके। सोडियम हाईपाक्लोराइट हाठड्रोजन पराक्साइड पोटेशियम परमैंगनेट आदि।

**प्रश्न -3**

**लघु प्रश्न उत्तर / (3 X 3 = 9)**

**1. प्रतिशोधन एंटीसेप्टिक क्या है /?**

**उ०** एंटीसेप्टिक एक रसायनिक पदार्थ है जो त्वचा और झिल्ली में रहने वाले सूक्ष्मजीवों को खत्म कर देता है या उसकी वृद्धि को रोक देता है इसका उपयोग चोट लगने पर पट्टी करते समय संक्रमण से बचने या संक्रमण को रोकने के लिए किया जाता है । उदाहरण वाटाडीन : मलहम

**2. एक आदर्श कीटाणु नाशक के 4 गुण लिखिए ।**

**उ०** जहरीला नहीं होना चाहिए:

- ❖ रोगी को किसी प्रकार का नुकसान नहीं होना चाहिए ।
- ❖ जल्द से जल्द काम करने वाला होना चाहिए ।
- ❖ गंधहीन अथवा कम गंध वाला होना चाहिए
- ❖ सस्ता होना चाहिए
- ❖ आसानी से उपयोग करने वाला होना चाहिए

- ❖ वस्तुओं के भौतिक स्थिति को प्रभावित करने वाला होना चाहिए
- ❖ आसानी से घुलनशील होना चाहिए
- ❖ आसानी से भंडारण करने की सुविधा होने वाला होने चाहिए

### 3. भौतिक और रासायनिक एजेंट अंतर लिखिए।

शारिरिक एजेंट) (भौतिक	रासायनिक एजेंट
<ul style="list-style-type: none"> <li>• सूक्ष्म जीवों को मारने के लिए उष्णता, उच्च ताप, उच्च दाब, भाप सूर्य के प्रकाश में उपयोग किया जाता है।</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• सूक्ष्म जीवों को मारने के लिए रासायनिक द्रव और गैसों का उपयोग किया जाता है।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>• सर्जरी में उपयोग करने वाले उपकरण</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• सामान्य उपयोग होने वाले उपकरण को</li> </ul>



को कीटाणु रहित किया जाता है ।	कीटाणु रहित लिया जाता है ।
<ul style="list-style-type: none"> <li>• इसमें ऑटोक्लेव, उबलना आदि का उपयोग करते हैं ।</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• इसमें अल्कोहल हेलोजन, फिनायल आदि किया जाता हैं</li> </ul>

**प्रश्न-4 लघु प्रश्न उत्तर / (2 X 5 = 10)**

1. अस्पताल में उपयोग होने कीटाणु शोधन के आम तरीको को समझाये ।

उ० साबुन और डिटर्जेंट

- साबुन फैरी एसिड और साडियम और -पोटाशियम से बना होता है यह जब से घुल कर झाग उत्पन्न करता है और मुख्यतः कपडो को साफ करने और हाथ धोने के लिए उपयोग किया जाता है ।
- डिटर्जेंट यह भी साबुन की ही तरह होते है । ये - पाउकर के रूप में रहता है यह कठोर जम में भी अच्छे से कार्य करता है ।

- हैलाजन आवर् -त सारणी में हेलाजन समूह में तत्व आयोडीन और क्लोराईड है जिसका उपयोग कीटाणु शोधन के लिए किया जाता है।
- हाईड्रोजन पेरोक्साईड यह एक आक्सीकारक है : पानी जैसा देखने वाला पदार्थ हैं यह एंटी सेप्टिक का कार्य करता है, त्वचा को और धातु को साफ करने में इसका उपयोग किया जाता है ।
- फॉर्मलडिहाइड इसका उपयोग कीटाणु शोधन और : बंध्याकरण दोनों में होता है । यह तरल और गैस दोनों रूप में पाया जाता है आपरेशन रूम, आई .सी . यू रूम और सर्जरी उपकरण को बंध्याकरण करने किया जाता है ।

## 2. बंध्याकरण और कीटाणु शोधन में अंतर लिखिए ।

उ०

<b>बंध्याकरण</b>	<b>कीटाणु शोधन</b>
<ul style="list-style-type: none"> <li>• यह सभी सूक्ष्मजीवों को मारने की प्रक्रिया</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• यह सूक्ष्मजीवों को हटाने या कम करने</li> </ul>

है।	की प्रक्रिया है ।
<ul style="list-style-type: none"> <li>• यह बीजाणु और सूक्ष्म जीवों को मारता है ।</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• यह केवल सूक्ष्मजीवों को मारता है ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>• बंध्याकरण को सभी जगह उपयोग नहीं किया जा सकता</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• कीटाणु शोधन का उपयोग आसान होता है अधिकांश स्थानों में इसका उपयोग किया जा सकता है।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>• बंध्याकरण के प्रकार हैं भाप, रासायनिक निषीकरण आदि । उपयोग किया जाता है ।</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• कीटाणु शोधन के प्रकार एल्कोहल, हेलाजन आदि</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>• ठसमें सफाई का स्तर अत्याधिक होता है।</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• सफाई का स्तर उचित और पर्याप्त होता है ।</li> </ul>

# UNIT -4

बुनियादी प्राथमिक चिकित्सा और आपातकाल  
चिकित्सा रिलीफ

# SESSION – 1

## बुनियादी प्राथमिक चिकित्सा और आपातकाल चिकित्सा रिलीफ

### सत्र 1 :- प्राथमिक चिकित्सा के सिद्धांत और नियमों का वर्णन

#### ( क ) परिचय

1. एक प्रशिक्षित डॉक्टर के आने से पहले जान बचाने के लिए जो इलाज दिया जाता है उसे प्राथमिक चिकित्सा (फर्स्ट-एड) कहा जाता है ।
2. दुर्घटना या अचानक कोई बीमारी का शिकार होता है तो उसे तभी के तभी उपचार दिया जाता है जैसे सीपीआर ।
3. प्रारंभिक चिकित्सा की अपनी सीमाएं हैं और यह एक सही इलाज की जगह नहीं ले सकती ।
4. यह जान बचाने में सहायक है अगर उचित चिकित्सा सहायता प्राप्त हो तो ।



सिंबल ऑफ फर्स्ट एड -

#### ( ख ) उद्देश्य

- जान बचाना ।
- दर्द से राहत ।
- स्थिति को बिगड़ने से रोकना ।

### ( ग ) प्रारंभिक शिक्षा के मूल सिद्धांत

- जीवन को बचाना ।
- रोगी और सहायता देने वाले को सुरक्षित रखना ।
- घायल व्यक्ति को और अधिक घायल होने से बचाना ।
- बर्फ या गर्म चीज का उपयोग लेकर दर्द को कम करना ।

### ( घ ) फर्स्ट एड के नियम

- जांच-पता करें कि क्या दुर्घटना हुई है और व्यक्ति कितना घायल है उसे एक सुरक्षित जगह पर भेजें ।
- कॉल- प्रशिक्षित व्यक्ति को सहायता के लिए बुलाए ।
- देखभाल - पीड़ित को बिना हिलाए उसकी सहायता करें ।

### ( ङ ) स्वास्थ्य आपातकाल

- एक ऐसी स्थिति है जिसमें जान बचाने के लिए तत्काल सहायता दी जाती है ।
- आपातकाल में सहायता आने से पहले प्रारंभिक चिकित्सा दी जाती दी जानी चाहिए ।

- आपातकालीन स्थितियां

- करंट लगना ।
- सांस लेने में दिक्कत अस्थमा ।
- आग में जलना ।
- अधिक खून बह जाना ।
- दिल का दौरा ।

### **( च ) मानव शरीर**

- कोशिका जीवन की मूल इकाई है ।
- जन्म के समय शिशु 300 से अधिक हड्डियां होती हैं ।
- युवा अवस्था में 206 हड्डियां होती हैं ।

### **( छ ) मुख्य शारीरिक प्रणालियां**

- मस्किलोस्कलेटल
- हृदय प्रणाली
- पाचन तंत्र
- मूत्र प्रणाली
- सांस प्रणाली
- प्रजनन प्रणाली

### **( ज ) प्रारंभिक चिकित्सा के दृष्टिकोण से जो महत्वपूर्ण अंग**

- फेफड़े सांस लेने में सहायक ।
- हम लगभग 1 दिन में 20 हजार सांस लेते हैं ।

- इसमें नाक गला आवाज बॉक्स विंड पाइप और फेफड़े सहायता करते हैं ।
- पेट को छाती से अलग डायफ्राम करता है जो सांस लेने में भी सहायता करता है ।
- सांस लेते समय पसलियां बाहर की ओर तथा डायफ्राम नीचे की ओर जाता है ।
- सांस छोड़ते वक्त पसलियां अंदर की ओर तथा डायफ्राम ऊपर की ओर जाता है ।
- फेफड़े में कार्बन डाइ ऑक्साइड और ऑक्सीजन का एक्सचेंज होता है ।

### ( झ ) ब्लड सरकुलेशन रक्त परिसंचरण

- रक्त प्लाज्मा और सेल से बना है इसमें प्लाज्मा आरबीसी डब्ल्यूबीसी होते हैं ।
- दिल छाती और फेफड़ों के बीच में होता है और यही ब्लड को पंप करता है ।
- दिल से रक्त दो मुख्य छोरों से बहता है ।
- प्रणाली गत इसमें दिल से रक्त निकलता हुआ सभी अंगों के पास जाता है वहां से O<sub>2</sub> अंगों को देकर CO<sub>2</sub> एकत्र करता हुआ वापस दिल में आता है ।
- फफुसीय चक्र इसमें दिल से CO<sub>2</sub> वाला रक्त फेफड़ों में जाता है और वहां CO<sub>2</sub> को O<sub>2</sub> से बदल कर वापस दिल में आता है ।



- प्रणाली गत चक्कर को दिल के बाईं से और फफुसीय चक्र को दिल के दाईं तरफ से नियंत्रित किया जाता है ।

➤ कार्यस्थल पर स्वास्थ्य और सुरक्षा जोखिम

- यह वह खतरे हैं जो किसी के साथ ना चाहते हुए भी कुछ कार्य करते हुए चोट या आपातकाल की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

➤ कार्यस्थल पर खतरों के प्रकार

- जैविक खतरे
- किसी भी मनुष्य मनुष्य बैक्टीरिया वायरस कीड़े पीछे की वजह से हो सकते हैं।
- रसायनिक - कोई भी जो हमारे लिए घातक हो उसकी चपेट में आना ।
- रेडिएशन - किसी भी प्रकार के घातक रेडिएशन की चपेट में आना।
- एरगोनॉमिक किसी कार्य हल्का सही तरह से सेटअप नहीं होना जैसे सामान अपनी सही जगह ना होना मशीन पर लापरवाही से काम करना गलत तरीके से कुर्सी पर बैठना भी एक्रो में नियम में आता है हमारे शरीर का सही आसन बिगड़ता है तथा हड्डियों में दर्द होता है।
- भौतिक- किसी भी कार्यस्थल में वह सभी खतरे जिनमें हमें चोट या शारीरिक नुकसान उठाया उठाना पड़ सकता है जैसे फिसलना अत्यधिक चोर चुंबकीय क्षेत्र ऊपर से गिरने वाली वस्तु ।

- मनो सामाजिक - कार्य का आरंभिक अत्यधिक दबाव कम समय में अत्यधिक कार्य करवाना इसके कारण है इसमें जाती रंग के आधार पर भेदभाव भी कारकों में शामिल है।
- सुरक्षा - इसमें किसी भी प्रकार की मशीन बिजली की खराबी आग लगने या फिसलने की वजह से दुर्घटना होना कारण बनता है।

## SESSION – 2

### प्राथमिक चिकित्सा के लिए सुविधाएं उपकरण और सामग्री की पहचान

- प्राथमिक उपचार कक्ष ऐसा ऐसा स्थान है वहां जहां सामग्री और उपकरण होता है जिनका उपयोग प्राथमिक उपचार और स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए किया जाता है तथा वहां पर प्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा इलाज किया जाता है ।
- प्राथमिक उपचार कक्ष में निम्नलिखित सुविधाएं होनी चाहिए :
  1. उचित प्रकाश और वेंटीलेशन
  2. स्ट्रेचर या वहींलचेयर पर किसी व्यक्ति को आसानी से ले जाना ले जाने की सुविधा
  3. मेज और कुर्सियां
  4. टेलीफोन
  5. फर्स्ट एड बॉक्स प्राथमिक उपचार किट
  6. आपातकालीन टेलीफोन नंबरों की निर्देश निर्देशिका
  7. एग्जामिनेशन लैंप

8. तकिया कंबल
9. एग्जामिनेशन टेबल
10. एक हटाने योग्य स्क्रीन
11. स्टेलाइजर उपकरण को विसंक्रमण के लिए
12. तेज धाराधार वाले उपकरण जैसे सर्जिकल चाकू आदि को रखने के लिए पात्र होना चाहिए ।
13. हाथ धोने की सुविधाएं जैसे नल पानी साबुन आदि।
14. ऑक्सीजन सिलेंडर
15. पट्टी करने वाली ट्रॉली
16. बीपी इंस्ट्रूमेंट सपोर्ट स्फिग्मोमोनोमीटर ब्लड प्रेशर मापने की का उपकरण
17. चादर कपड़े दवाई रखने के लिए अलमारी होना चाहिए ।
18. विद्युत उपकरणों को चलाने के लिए पावर पॉइंट होना चाहिए ।
19. सीपीआर में उपयोग होने वाले उपकरण जैसे एम्बू बैग आदि ।
20. उपयोग किए गए कपड़ों को अलग रखने के लिए पात्रों का चाहिए बायो मेडिकल वेस्ट के लिए कचरा डिब्बा का पात्र होना ।
21. उपयुक्त बैठने के लिए जगह होनी चाहिए ।

○ प्रारंभिक चिकित्सा किट

प्रारंभिक चिकित्सा किट की सामग्री मुख्य रूप से रक्त स्राव हड्डी के फ्रैक्चर और जलने के मामले में प्राथमिक उपचार प्रदान करने के लिए होती है एक प्राथमिक चिकित्सा किट में निम्नलिखित शामिल होना चाहिए

1. अलग-अलग आकार की सभी प्रकार की पट्टी
2. मेडिकल टेप पट्टी को चिपकाने के लिए
3. कपास की गेंदे सुरक्षा पिन
4. एंटीबायोटिक मलहम एंटीबायोटिक एंटीसेप्टिक घोल जिसमें त्वचा या घाव को साफ किया जा सके
5. कैलामाइन मलहम खुजली को ठीक करने के लिए
6. हाइड्रोजन पराक्साइड त्वचा में घाव को साफ करने के लिए
7. चाकू कैची नेल कटर चिमटी आदि
8. थर्मामीटर
9. एल्कोहल त्वचा को साफ करने के लिए तथा थर्मामीटर को साफ करने के लिए
10. सीरिन्ज ,दवा लगाने के लिए
11. ओ आर एस
12. दस्ताना
13. मास्क
14. साबुन

15. डिफिविलेटर सी पीआर के बाद भी हृदय के गतिशील ना होने पर बिजली के झटके देने के लिए तथा हृदय की सामान्य लय को बहाल करने के लिए इसका उपयोग किया जाता है

16. 16. स्लिंग्स - हाथ में चोट लगने या हड्डी के टूट जाने के बाद हाथ को सहारा देने के लिए उपयोग किया जाता है

17. . स्प्लीन्ट - पैर की हड्डी में चोट लगने पर टूट जाने पर पैर को स्थिर रखने के लिए उपयोग किया जाता है

18. . महत्वपूर्ण दवाइयां होनी चाहिए जैसे कि

- रोग	-	दवाइयां
- एलर्जी	-	सिट्राजिन
- सिरदर्द	-	सरिडोन
- बुखार	-	पेरासिटामोल
- निर्जलीकरण	-	ओ आर एस
- अम्लता	-	डायजिन
- मोच आना	-	फ्लेक्शन

## SESSION-3

### बुखार हीट स्ट्रोक में प्राथमिक उपचार देने वाले की भूमिका का प्रदर्शन

आपातकालीन स्थिति में प्राथमिक उपचार दिया जाता है प्राथमिक उपचार देने वाले कोई भी हो सकता है जैसे माता-पिता फायर फाइटर या कोई भी राहगीर ।

#### ▪ सामान्य विचार और नियम

1. सबसे पहले हमें जांच करनी होती है
2. कॉल करें प्ले शेपर सहायता के लिए व्यवस्था करें
3. प्राथमिक चिकित्सा देते समय कुछ बातों का ध्यान रखना होता है जैसे मरीज के रक्त स्राव की जांच करें
4. सिर दर्द गर्दन में रीड की हड्डी चोट की जांच करनी है
5. मरीज की जवाबदेही का निर्धारण करता है
6. आपातकालीन सेवाएं को कॉल करना

### **बुखार**

जब हमारे शरीर का तापमान 37. C या 98.6 F से ज्यादा हो जाता है तो उसे बुखार कहा जाता है

1. कम बुखार -98.8F से 100.8F तक
2. हल्का बुखार -101 F से 103F तक
3. उच्च बुखार-104 F या इससे अधिक

कारण - मौसम में बदलाव, बैक्टीरिया या वायरल संक्रमण के कारण सूर्य की किरणों से होने वाली एलर्जी के कारण

लक्षण- शरीर गरम, चेहरे का रंग लाल ,उल्टी, सिर दर्द ,कब्ज ,दस्त आदि

### प्राथमिक चिकित्सा

- सबसे पहले थर्मामीटर का उपयोग करके शरीर के तापमान की जाँच करें
- अतिरिक्त कपड़े निकाल दे
- स्पंज दे
- मरीज को शांत वातावरण प्रदान करें
- अधिक से अधिक तरल पदार्थ का सेवन करें
- पेरासिटामोल की खुराक दें

➤ थर्मामीटर का सही प्रयोग कैसे करें

चरण-1 तैयार -सबसे पहले थर्मामीटर की चोंच की स्वच्छ पानी से धो लें और फिर उसे टिशू से साफ कर लें जिससे उस पर लगे कीटाणु को दूर कर सकते हैं।



चरण दो- स्विच चालू करें जाँच करनी है कि डिजिटल थर्मामीटर का स्विच काम कर रहा है या नहीं एलसीडी स्क्रीन पर शून्य को पढ़ाना है अगर स्क्रीन खाली रहती है तो थर्मामीटर बदल ले ।

चरण 3- मौखिक तापमान मापते समय थर्मामीटर को जीभ से नीचे रखें और मरीज को मुँह बंद करने के लिए बोलें

चरण 4- तापमान ले तापमान पढ़ने के लिए उपकरण का बटन दबाये

चरण 5- तापमान लेने के बाद थर्मामीटर को साफ पानी से धोकर टिशू से साफ कर लें और उसे किसी सुरक्षित जगह पर रखें

## हीट स्ट्रोक

हीट स्ट्रोक एक प्रकार तेज गर्मी से संबंधित सबसे गंभीर बीमारी होती है जिससे जीवन को खतरा हो सकता है ।

लक्षण -शरीर का तापमान 104.F से अधिक

सिर, दर्द, चक्कर आना ,पीठ दर्द

अस्थिर रक्तचाप और चिड़चिड़ापन

-प्राथमिक उपचार - गरम ठंडा पैक के साथ मालिश करें, दर्द से राहत के लिए दर्द निवारक का उपयोग करें ।

## दमा

- यह एक फेफड़ों की बीमारी है जिसमें फेफड़ों के वायु मार्ग का संकुचन हो जाता है जिससे साँस लेने में कठिनाई होती है।

### कारण- अनुवांशिकता

- पर्यावरणीय कारक
- सिगरेट पीना, मदिरा, प्रदूषण ,मौसम में बदलाव

### प्राथमिक चिकित्सा -

- अस्थमा इनहेलर का प्रयोग करें |
- मरीज को दमा पैदा करने वाले कारक से दूर रखें |

#### ▪ खाद्य जनित बीमारी

खाद्य जनित बीमारी गंदा खाना व पानी से होती है आमतौर पर बैक्टीरिया खाद्य जनित बीमारी का कारण होता है

- लक्षण खूनी, दस्त, उल्टी, दस्त
- पैर में ऐंठन, तेजी से दर्द
- पीली त्वचा तेजी से गिरता स्वास्थ्य दर
- सीने में दर्द आदि

### प्राथमिक उपचार -

- O.R.S हल्के गर्म पानी से दे
- O.R.S बनाने के लिए चीनी नमक पानी का उपयोग

▪ 1 लीटर O.R.S बनाने की विधि

स्वच्छ जल	-	1 लीटर
चीनी	-	6 चम्मच
नमक	-	आधा चम्मच

चीनी घुलने तक मिश्रण को हिलाए |

## SESSION - 4

### प्राथमिक चिकित्सा और आपातकाल

#### परिचय

इसमें हम कट लगना खून बहना इन्सेक्ट बाइट, कुत्ते का काटना, सांप के काटने के बारे में पढ़ेंगे

#### ( A )कट लगना

शरीर पर किसी प्रकार का भी खाल का कटना

इसमें दो प्रकार होते हैं

1)- हल्के कट जो किसी भी चाकू ब्लेड कैंची से लगते हैं इसमें हमें घाव को साफ करके मरहम लगाकर बैंडेज लगा देनी होती है

2)- गहरे कट इसमें खाल के साथ-साथ अंदर तक का माँस कट जाता है और खून भी अधिक बह जाता है इसमें हमें तत्काल रूप से खून को रोकना टाँके लगाना तथा मेडिकल

सहायता की जरूरत पड़ती है तथा टेनस की सुई भी लगाई जाती है

### ( B ) आग से जलना

आग एसिड बिजली रेडिएशन से टिशू जल सकते हैं

इसमें सूजन फफोले दाग या गंभीर रूप से जलने से मौत हो सकती है

गंभीर जलन में माँसपेशियों वसा और हड्डियाँ हताहत होती हैं

#### • 3 श्रेणियों में बाँटा गया है:

पहली डिग्री -इसमें सिर्फ ऊपरी त्वचा जल कर लाल हो जाती है छूने पर यह सफेद हो जाता है । इसमें दर्द होता है ।

#### प्राथमिक चिकित्सा :

- आग से दूर करें और जले हुए कपड़ों को हटा दें ।
- मरहम ना लगाएं ठंडा पानी डालें ।
- सर्जिकल दस्ताने पहनें, फिर घाव को साफ करके उसे सुखाए सिल्वर सल्फर नाइट्रेट का लेप लगाकर स्ट्राइल पट्टी से घाव को कवर कर दे ।
- द्वितीय डिग्री -इसमें त्वचा की दूसरी सतह तक जल जाता है एक वयस्क 90% तथा बुजुर्ग 60% तक जलने पर घातक होता है ।

## लक्षण

- इसमें दर्द त्वचा का लाल होना फफोले हो जाते हैं।  
डीहाइड्रेशन भी हो जाता है।

## प्राथमिक चिकित्सा

- मरीज को लेटा कर एंटीबायोटिक का लेप लगाएं ।
- जले हुए जोड़ों पर लगाए ताकि वह चिपके नहीं ।
- तुरंत मरीज को अस्पताल भेजें ।
- थर्ड डिग्री बर्न - इसमें त्वचा की तीनों लेयर जल जाती है  
बालों के रोम पसीने की ग्रंथियाँ और तंत्रिका तंत्र भी नष्ट हो  
जाता है ।

लक्षण- दर्द नहीं होता, इसमें त्वचा चमड़े की तरह हो- जाती है  
निशान विकसित हो जाते हैं ।

प्राथमिक चिकित्सा -तुरंत अस्पताल भेजें ।

## खून बहना

- नसों में चोट लगने से अंदरूनी या बाहरी रक्त स्राव होना
- बाहरी रक्तस्राव हमारे शरीर के मुंह योनि, मलाशय के  
माध्यम से वह सकता है।
- गहरा कट लगने से अधिक खून बह सकता है।

## खून बहने के कारण

- सिर पर चोट लगना ,कुछ बीमारियों में चोट लगने से जैसे:हीमोफीलिया

### प्राथमिक चिकित्सा

- हाथ धोकर सर्जिकल दस्ताने पहन कर घाव वाले अंग को ऊपर करके घाव को साफ करें उसके बाद पट्टी का उपयोग करके दबाव दे रक्त बंद न होने पर डॉक्टर को बुलाएं ।

### कीट का काटना और डंक

- यह इतना घातक नहीं होता इसमें मरीज को एलर्जी हो सकती है जिसे अनाफिलक्सिस कहते हैं।
- मधुमक्खियों की तरह के कीटों के काटने से दर्द होता है तथा मच्छरों से खुजली होती है।
- मच्छरों से मलेरिया डेंगू हो सकते हैं।
- मकड़ी का काटना घातक हो सकता है अगर इलाज ना हो तो

**लक्षण** -दर्द सूजन लालिमा जलन

### प्राथमिक चिकित्सा

- धारदार सुई से डंक निकालकर अच्छे से साबुन से धोये और हर 10 मिनट में बर्फ से सिकाई करें

### कुत्ते का काटना

- कुत्ते के काटने से खरोंच या घाव हो सकता है

- घाव में बैक्टीरिया वायरस की वजह से संक्रामक बीमारी हो सकती है जैसे रेबीज मतलब पागलपन
- रेबीज यह एक वायरस होता है जो मनुष्य को बीमार करता है

**लक्षण-** खरोंच, घाव, रक्त स्राव सूजन, हाइड्रोफोबिया (पानी से डर)

### प्राथमिक चिकित्सा

- हाथ धोकर घाव को साबुन और बहते हुए पानी के धोए
- मरहम लगाकर पट्टी करें फिर टेटनस और रेबीज के इंजेक्शन लगवाएं ।

### साँप का काटना

- साँप के काटने के लक्षण साँप की प्रजाति पर काटे गए अंग पर जहर की मात्रा पर निर्भर करता है ।
- बिना जहर के साँप काटने पर भी एलर्जी हो सकती है

**लक्षण :-** दाँतो का निशान , घबराहट , दर्द होना , खून बहना धुँधला दिखना , साँस न आना, बेहोश होना, रक्तचाप बढ़ना ।

- सहायता के लिए कॉल करें तुरंत अस्पताल ले जाए
- दाँत के निशान का निरीक्षण करने पर अगर एक या दो दाँत के निशान दिखते हैं तो वह जहरीले साँप के हो सकते हैं ।



- उपचार के लिए साँप कैसा दिखता है पता होना चाहिए ।
- मरीज को लिटा कर जिस जगह काटा है उसको दिल से नीचे रखें ताकि जहर जल्दी ना फैले ।
- घाव को साबुन और पानी से धोये और घाव के पास बर्फ से सके ।
- यदि 30 मिनट के अंदर लक्षण दिखते हैं और आपके यहाँ से अस्पताल 2 घंटे की दूरी पर है तो डेढ़ इंच चौड़ी पट्टी घाव के 2 इंच ऊपर बाँधे ।
- पट्टी को इतना ढीला रखे जो एक उंगली उसके नीचे चली जाए ।
- पट्टी रक्त प्रवाह को कम कर देती है जिससे जहर देरी से फैलता है काटने के 30 मिनट के अंदर पट्टी बाँधे ।
- अगर सूजन फैलती है तो पट्टी सूजन से 2 इंच और ऊपर बाँधे ।
- मरीज की रक्तचाप जाँचते रहे, जब तक अस्पताल में पहुँचे ।

### प्रश्न 1. सही मिलान करें

एलर्जी	-	पेरासिटामोल
बुखार	-	टेबलेट फ्लेक्सोन

मोच और तनाव	-	सिट्रीज़ीन
अम्लता	-	एस्पिरिन
सिर दर्द	-	सिरप डायजिन

## प्रश्न 2. रिक्त स्थान भरें

1. प्राथमिक चिकित्सा \_\_\_\_\_, \_\_\_\_\_, \_\_\_\_\_ के नियम हैं
2. आपातकालीन स्थिति \_\_\_\_\_, \_\_\_\_\_, \_\_\_\_\_ हो सकती है
3. जीवन की मूल इकाई \_\_\_\_\_, है
4. प्रणाली गत रूप शरीर में \_\_\_\_\_ खून का प्रवाह करता है
5. एंबुलेंस में मोटर वाहन के अलावा \_\_\_\_\_, \_\_\_\_\_ का भी उपयोग होता है
6. प्राथमिक चिकित्सा कक्ष में सुविधायें \_\_\_\_\_ शामिल हैं
7. प्राथमिक चिकित्सा की टीम में \_\_\_\_\_ सामग्री होती है
8. महत्वपूर्ण दवायें \_\_\_\_\_, \_\_\_\_\_, \_\_\_\_\_ राहत सामग्री प्राथमिक चिकित्सा किट में रखते हैं
9. कटौती कट के \_\_\_\_\_, \_\_\_\_\_ दो प्रकार होते हैं
10. Burn 3 स्तर \_\_\_\_\_, \_\_\_\_\_, \_\_\_\_\_ होते हैं

प्रश्न 3 - प्राथमिक चिकित्सा के उद्देश्य लिखिए ?

प्रश्न 4- प्राथमिक चिकित्सा के सिद्धांत लिखिए ?

प्रश्न 5 - श्वसन प्रक्रिया में फेफड़े कैसे काम करते हैं ?

प्रश्न 6-शरीर के तापमान लेने के 5 चरणों के बारे में बताये ?

प्रश्न 7 -अस्थमा के मरीज को प्राथमिक चिकित्सा कैसे दी जाती है ?

प्रश्न 8 - खून बहने पर क्या प्राथमिक चिकित्सा दी जाती है ?

प्रश्न 9- कुत्ते के काटने पर क्या प्राथमिक चिकित्सा दी जाती है ?

प्रश्न10 - साँप के काटने पर क्या प्राथमिक चिकित्सा दी जाती है ?

# UNIT-5

संरचना एण्ड कार्य

# SESSION:1

## मानव शरीर के अंगों की पहचान करें

### परिचय

मानव शरीर के अंगों की पहचान करें। शरीर संरचना की मूल इकाई कोशिका है। यह दीवार की एक ईंट की तरह है। सभी कोशिकाओं को जीने और कार्य करने के लिए पानी भोजन और ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है।

### कार्य

1. उत्सर्जन अपशिष्ट उत्पादों को अंगों के माध्यम से उन्मूलन के लिए रक्त द्वारा ले जाने के लिए आसपास के ऊतकों में समाप्त कर दिया जाता है।
2. चिडचिडापन और गतिविधि कोशिकाएं उत्तेजनाओं का जवाब देने में सक्षम होती है। उदाहरण के लिए एक उत्तेजना एक माँसपेशी को अनुबंधित या शिथिल करने का कारण बनती है। चयापचय भोजन से प्रदार्थों को ईंधन के रूप में तोड़ने और उपयोग करने में सक्षम है।

### ऊतक

ऊतक समान कोशिकाओं के समूह होते हैं जो एक सामान्य कार्य करते हैं।

## मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी

ग्रे मैटर मुख्य रूप से तंत्रिका कोशिका निकायों और सफेद प्रदार्थों से बना होता है जो सेल प्रक्रियाएँ हैं सफेद प्रदार्थ मस्तिष्क के भीतर रीढ़ की हड्डी की परिधि में और परिधीय तंत्रिकाओं के रूप में पाया जाता है।

रीढ़ की हड्डी की लंबाई 45 से.मी.

## मूत्र प्रणाली

इसमें दो गुर्दे, मूत्रवाहिनी, मूत्राशय और मूत्रामार्ग हैं इसमें इसका उद्देश्य शरीर से अपशिष्ट प्रदार्थों को निकालना, रक्त की मात्रा और दबाव को नियंत्रित करना, रक्त पी. एच. को नियंत्रित करना और इलेक्ट्रोलाइट्स और मेटाबोलाइट्स के स्तर को नियंत्रित करना है ।

मूत्र प्रणाली के कई कार्य हैं।

1. शरीर से अपशिष्ट उत्पाद (मुख्य रूप से यूरिया और यूरिक एसिड) को हटाना।
2. इलेक्ट्रोलाइट संतुलन का विलियमन (Gg, Na, K, Ca)
3. विलियमन एसिड बेस होमोस्टेसिस

4. रक्त की मात्रा को नियंत्रित करना और रक्तचाप को बनाए रखना

### मूत्रवाहिनी

ये दो खोखली नलियाँ होती हैं जो किडनी से मूत्राशय तक जाती हैं। पेरिस्टैल्सिस और गुरुत्वाकर्षण द्वारा मूत्रवाहिनी के माध्यम से मूत्र का परिवहन किया जाता है।

### श्वसन प्रणाली

एक जीव और पर्यावरण के बीच ऑक्सीजन और कार्बन डाई ऑक्सीजन के सेवन और विनिमय में शामिल है।

सास लेना शरीर को आक्सीजन की आपूर्ति करने के लिए फेफड़ों में हवा के मार्ग अतः श्वसन के रूप में जाना जाता है और कार्बन डाई अक्साइड को बाहर निकालने के लिए फेफड़ों से हवा के मार्गों को सांसा छोड़ना कहा जाता है

श्वसन प्रणाली की शारीरिक विशेषताओं में श्वसन नली बाकाई बोनिकओम्स फेफड़े और डायफ्रम शामिल हैं।

### पाचन तंत्र

मानव गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक्ट (जीआई ट्रैक्ट की ऊपरी ओर नीचले गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक्ट में बांटा गया है। इसमें मुँह से लेकर गुदा तक सभी संरचनाएं शामिल हैं। यह प्रमुख दो अंगों

में विभाजित है, ऊपरी जीआई पथ और निचला जीआई पथ इसमें शामिल है।

### ग्रासनली

- पेट
- डओडेनम
- इलियम
- आरोठी वृहदान्त्र
- अनुप्रस्थ वृहदान्त्र बड़ी आंत
- अवरोही वृहदान्त्र
- मलाशय
- हाड पिंजर सिस्टम
- यह मानव की पेशी और कंकाल का उपयोग करने की क्षमता देती है।
- मस्क्युलोरकेलेट्स सिस्टम के कार्य
- शरीर की आंतरिक संरचनाओं और अंगों की रक्षा और करे शरीर को आकार दे
- आंदोलन की अनुमति दे
- रक्त कोशिकाओं का उत्पादन
- स्टोर कैल्शियम और फास्फोरस

### कंकाल प्रणाली



मानव कंकाल 206 हड्डीयों से मिलकर बना होता है। हड्डीयों और जोड़ों से बनी होती है और शरीर की बुनियादी सहायक संरचना प्रदान करती है।

## **हड्डियां**

यह एक सुखा घना ऊतक है जो कैल्शियम फास्फोरस खनिज और कार्बनिक पदार्थ और पानी से बना होता है।

हड्डीयों के निम्नलिखित चार प्रमुख आकार हैं।

1. सपाट जैसे पसलियों में
2. अनियमित कशेरुक के रूप में कॉलम
3. छोटा जैसे हाथ और पैर में
4. लंबा फीमर और पिनौदी के रूप में जोड़

## **- जोड़**

ऐसा क्षेत्र जहां दो से अधिक हड्डीयां एक दूसरे के संपर्क में आती हैं।

तीन प्रकार

## **रेशदार खोपड़ी**

कार्टिलाजिलस या थोड़ा चलने योग्य जैसे कशेरुका स्तम्भ रूप से चलने योग्य इसमें शामिल है।

- बाल और सॉकेट हिप
- शोल्डर की तरह
- कोहनी के रूप में
- कलाई पर कार्पलस के रूप में
- त्रिज्या और उलना के रूप में

### मासपेशी

पेशी तंत्र का प्रमुख कार्य शरीर की गति उत्पन्न करना गुरुत्व बल के विरुद्ध शरीर की स्थिति को बनाए रखना और शरीर के भीतर संरचनाओं की गति उत्पन्न करना है।

### - मांसपेशियों के तीन प्रकार-

1. मांसपेशियां हड्डी से कण्डरा से जुड़ी होती हैं।
2. चिकनी मांसपेशियां हमारे आंत और रक्त की क्रियाओं को नियंत्रित करती हैं।
3. हृदय में हृदय की मांसपेशी

### - तंत्रिका तंत्र

शरीर की सभी गतिविधियों के संचालन और समन्वय के लिए जिम्मेदार होता है।

स्मारोह (तंत्रिका तंत्र के 3 कार्य हैं)

स्वेदी तंत्रिकाएं शरीर के अंदर और बाहर के वातावरण जानकारी एकत्र करती हैं नसे तब सूचना को केंद्रीय तंत्रिका तंत्र (CNS) तक ले जाती हैं जानकारी संसाधित और व्याख्या की जाती है।

मोटर तंत्रिकाएं उसे मासपेशियों और ग्रंथियों तक जानकारी पहुँचाती हैं

### शरीर का संरचना

यह दो हिस्सों में विभाजित है

1. केंद्रीय तंत्रिका तंत्र जिसमें मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी होती है।

2. परिधीय तंत्र जो केंद्रीय तंत्रिका तंत्र को बाकी हिस्सों से जोड़ता है। शरीर का उपकला संक्रामण

यह ऊतक शरीर की सतहों को ढकता है और उसकी गुणों की रेखाबद्ध करता है कुछ ग्रंथियां बनाने में माहिर होते हैं।

2. संरक्षण
3. अकब
4. खाव
5. उत्सर्जन
6. भूतल परिवहन

7. स्वेदी जानकारी का ग्रहण जैसे स्पर्श दर्द गर्मी सर्दी ।

### संस्थिती संक्रामण

यह ऊतक शरीर के अन्य ऊतको को एक साथ जोड़ते हैं शरीर का समर्थन करता है और अंतर्निहित अंगों की रक्षा करता है।

कुछ मुख्य प्रकार हैं

1. साधारण संयोजी ऊतक त्वचा
2. उपस्थि जोड़ो की रक्षा करता है और कोमल ऊतको का समर्थन करता है।
3. हड्डी कंकाल के कठोर सहायक ऊतक
4. रक्त कोशिकाओं का उत्पादन

### तंत्रिका ऊतक

मस्तिक रीड की हड्डी और तंत्रिकाओं का निर्माण होता है।

मूल कोशिका को न्यूरॉन कहते हैं।

यूरिनश ब्लड

काम यूरिन को स्टोर करना ।

### मूत्रमार्ग

मूत्र मूत्राशय से मूत्रमार्ग के माध्यम से ले जाया जाता है।

## नेफॉन किडनी

रक्त दबाव में नेफॉन में प्रवेश करता है और निस्पदन के लिए नेफॉन की संरचनाओं से होकर गुजरता है। शरीर द्वारा आवश्यक अधिकांश पानी और कई पदार्थ छानने के बाद वापस रख लिए जाते हैं।

## इंटेगुमेंटी (त्वचा)

यह शरीर का बाहरी आवरण होता है संरक्षण

1. तापमान विनिसमन
2. संवेदी इनपुट
3. विटामिन D निर्माण
4. पानी और अपशिष्ट उत्पादों का उत्सर्जन ।

## शरीर का तापमान

शरीर का तापमान उत्पादित गर्मी की मात्रा और शरीर द्वारा खोई गई गर्मी की मात्रा के बीच का संतुलन है।

शरीर का सामान्य तापमान 98.6 f होता है।

स्वेदी अंग

जीभ

स्वाद के लिए रिसेप्टर्स जीभ में स्थित होता है।

नाक गंध के रिसेप्टर्स प्रत्येक नाक गुहा में ऊपरी भाग में स्थित होता है।

## दिल (वजन - 250-350 ग्राम)

मानव हृदय चार कक्षीय रतीखले अंग वाला एंव पंच है जो पूरे शरीर में रक्त के संचलन और इसके साथ साथ सभी आवश्यक गैसो पोषक तत्वो और अन्य के लिए जिम्मेदार है।

यह दो अलिंदो तथा चार कक्षो से बना होता है दो निलय प्रत्येक को आगे दाएँ और बाएँ और दाएँ और बाएँ वेंट्रिकल में वर्गीकृत किया गया है। दिल की धडकन को दिल की आवाजो द्वारा दर्शाया जाता है 'लब-डब' और और दिल की गतिविधि को ईसीजी ( इलेक्ट्रो कार्डियोकाम) द्वारा निघत रूप से देखा जाता है।

रक्त वाहिकाएं संचार प्रणाली का हिस्सा

धमनियां जो रक्त की दिल से दूर ले जाती है।

शिराएं जो रक्त को कोशिकाओ से वापस हृदय के ओर ले जाती है।

कशिकाएं (सबसे पतली धमनियों और शिराओं के बीच स्थित) जो रक्त और ऊतकों के बीच पानी और रसायनो के वास्तविक आदान प्रदान को सक्षम बनाती है।

## कान

कान को 3 मुख्य क्षेत्रों में बाटा गया है बाहरी कान मध्य

कान और भीतरी कान

बाहरी और मध्य कान सुनने में शामिल होते है।

भीतरी कान कार्य करता है दोनो संतुलन और सुनवाई ।

## **आंख**

आंख की सहायक संरचनाओ में बाहरी आंख की मांसपेशियां आसु ग्रंथिया और नलिकाएं पलके और कंजकितया शामिल है।

1.क्वेश्चन -सेल क्या है

उत्तर. सेल शरीर की मूल इकाई को सेल कहते है

2.क्वेश्चन- सेल के 2 कार्य क्या है

उत्तर. शरीर के लिये संरचना प्रदान करना।

भोजन से पोषक तत्व ग्रहन करते है। पोषक तत्वों को उर्जा मे परिवर्तित करते है ।

3.क्वेश्चन-ऊतक क्या है।

उत्तर. ऊतक समान कोशिकाओं के समूह है।

4.क्वेश्चन-ऊतक के कार्य लिखो।

उत्तर. समान संरचना और कार्य करने वाले कोशिका के समूह को ऊतक कहते है ऊतक शरीर को आकार प्रदान करते है और

शरीर को गर्मी की सनरक्षण और ऊर्जा को सगरीत करने में मदत करते है।

ये चार प्रकार के होते है।

1.उपकला                      2. तंत्रिका                      3.सयोजी                      4.  
मासपेशी

5.क्वेशचन-हृदय प्रणाली क्या है।

हृदय प्रणाली एक अंग है जो रक्त और लसीका परिसंचरण को पोषक तत्वो ऑक्सीजन (O<sub>2</sub>) (CO<sub>2</sub>) हार्मोन रक्त कोशिकाओ उत्सर्जक सामग्री आदी से शरीर में कोशिकाओ तक और इसे पोषक करने और रोगी से लडने मे मदत करती है।

6.क्वेशचन-दिल क्या है।

उत्तर. मानव हृदय चार चेम्बर सोखो अंग वाला एक पंप है जो पूर शरीर मे रक्त के संचार के लिए जिम्मेदार है।

हृदय का द्रव्यमान 250 to 350 gm के बीच होता है।

7.क्वेशचन-पाचन तंत्र क्या है।

उत्तर मानव चठरांत्र संबंधी मार्ग है। इसमें मुंह गुदा तक सभी सरंचनाए शामिल है।

1. एसोफेगस
2. पेट



3. ग्रहणी
4. जेजूनम
5. इलिपम
6. ओरोही बृददान्त्र VII. बडी भात
7. मलशल
8. गुदा

8. कंकाल प्रणाली क्या है।

उत्तर. कंकाल प्रणाली हडिडयो और जोडो से मिलकर बनती है और शरीर की बुनियादी सहाय संरचना प्रदान करती है। जिन्हे कंकाल कहा जाता है. मानव कंकाल में 206 हडिडयो से बना होता है।

9.क्वेशचन-तंत्रिका तंत्र क्या है।

उत्तर. तंत्रिका तंत्र शरीर की सभी गतिविधियों के संचालन और समन्वय के लिए जिम्मेदार है यह न केवल सामान्य कार्यों से निपटने की क्षमता को भी नियंत्रित करता है।

10. क्वेशचन-मूत्र प्रणाली के कार्य ।

1. मुख्य रूप से यूरिया और यूरिक एसिड निकालना ॥  
इलेक्ट्रोलाइट संतुलन करना ( सोडियम पेटिशियम और कैल्शियम )
2. रक्त की मात्रा को नियंत्रित करना और रक्तचाप को बनाए रखना।

11.क्वेश्चन-संवेदी अंग लिखो ।

1. जुबान (चीभ) बोलना और स्वाद की पहचान करना ॥  
नाक (सूघने में मदद करती है)
2. कान (सूनने)
3. आंख (देखना) v. त्वचा (सुरक्षा करने में मदद करती है)

12.क्वेश्चन-मनुष्य का सामान्य तापमान हैं

उत्तर. 98.6 f

13.क्वेश्चन-दिल में कक्षों की संख्या है।

उत्तर. 4

14. क्वेश्चन-ऊतक को अध्ययन के रूप में जाना जाता है।

उत्तर. ऊतक विज्ञान

15.क्वेश्चन-मांसपेशियों को अध्ययन के रूप में जाना जाता है।

उत्तर. मायोलॉजी

# SESSION-2

## पोषण

### विकास और विकास में पोषण की भूमिका का वर्णन करे

#### परिचय:-

एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, स्वस्थ शिशुओं और बच्चों को बढ़ावा देता है जो उनकी सबसे अच्छी मानसिक, शारीरिक, सामाजिक और भावनात्मक क्षमता में वृद्धि करते हैं।

भोजन मधुमेह, हृदय रोग, सकिपता और मोटापे जैसे लोगों को प्रभावित करने वाली स्थितियों को रोकने और उनका इलाज करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है स्वस्थ आहार से बीमारियों, स्थितियों और समस्याओं को कैसे रोका या कम किया जा सकता है।

कार्बोहाइड्रेट, वसा, विटामिन, खनिज, फाइबर और पानी मैक्रोन्यूट्रिएंट वे पोषक तत्व है

#### मैक्रोन्यूट्रिएंट्स\*

कार्बोहाइड्रेट

कार्बोहाइड्रेट में मोनोसेकराइड (ग्लूकोज, फ्रक्टोज, ग्लक्टोज), सिसकराइड, और पॉलीसेकेराइड (स्टार्च) शामिल है।

फाइबर में ज्यादातर कार्बोहाइड्रेट होते हैं।

फाइबर आर्थक मानव पोषक का हिस्सा है

बी) माइक्रोन्यूट्रिएंट्स\*

### **खनिज पदार्थ\***

एक संतुलित आहार के साथ ज्यादातर मामलों में वे जो खाते हैं उससे अपने सभी खनिजों को प्राप्त करेंगे। संभावित आहार की कमी और बाद में स्वास्थ्य समस्याओं के लिए कुछ खाद्य पदार्थों में खनिज अक्सर कृत्रिम रूप से जोड़ा जाता है। इसका सबसे अच्छा उदाहरण आयोडीन युक्त नमक है आयोडीन की कमी को रोकने के लिए आयोडीन

### **प्रोटीन\***

सरल प्रोटीन, जिसे मोनोमर्स कहा जाता है, का उपयोग जटिल प्रोटीन बनाने के लिए किया जाता है, जिसे पॉलिमर कहा जाता है,

जब ईंधन के रूप में उपयोग किया जाता है तो प्रोटीन को टूटने की आवश्यकता होती है

यह ऊर्जा देता है, लगभग 4 किलो कैलोरी प्रति ग्राम।

### **वसा\***

वसा ट्राइग्लिसराइड्स हैं

ट्राइग्लिसराइड्स जटिल अणु (पॉलिमर) हैं, जबकि सरल यौगिक (मोनोमर्स) हैं। य ऊर्जा प्रदान नहीं करते हैं इसकी उपज लगभग 9 किलो कैलोरी प्रति ग्राम है

### **रेशा\***

फाइबर में ज्यादातर कार्बोहाइड्रेट होते हैं।

फाइबर आवश्यक मानव पोषण के पिरामर्थ हिस्सा है

### **पोटैशियम\***

इलेक्ट्रोलाइट है, जो एटीपी के सह-विनियमन में आवश्यक है. (शरीर में कोशिकाओं में ऊर्जा का एक महत्वपूर्ण वाहक, सोडियम के साथ राइबोन्यूक्लिक एसिड (आरएनए) बनाने में भी महत्वपूर्ण है।

### **क्लोराइड\***

क्लोराइड पेट में हाइड्रोक्लोरिक एसिड उत्पादन के लिए एक महत्वपूर्ण है, सेलुलर पंप कार्यों के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।

अतिरिक्त क्लोराइड के परिणामस्वरूप हाइपरक्लोरेमिया हो सकता है

### **सोडियम\***

सोडियम की कमी के परिणामस्वरूप हाइपोनेट्रेमिया हो सकता है

अतिरिक्त सोडियम के परिणामस्वरूप हाइपरनाट्रेमिया हो सकता है

### **कैल्शियम\***

मांसपेशियों, हृदय और पाचन स्वास्थ्य के लिए कैल्शियम महत्वपूर्ण है।

हड्डी बनाता है, रक्त कोशिकाओं के संश्लेषण और कार्य में सहायता करता है। कैल्शियम की कमी से हाइपोकैल्सीमिया अतिरिक्त कैल्शियम के परिणामस्वरूप हाइपरलकैकेमिया

### **फास्फोरस\***

फास्फोरस हड्डियों और ऊर्जा प्रसंस्करण का एक घटक है।

फास्फोरस की कमी से हो सकता है

अतिरिक्त फास्फोरस के परिणामस्वरूप हाइपरफोस्फेटेमिया हो सकता है,

### **मैगनीशियम\***

मैगनीशियम की कमी से हाइपोमैग्नेसीमिया हो सकता है

अतिरिक्त मैगनीशियम

### **मैंगनीज\***

मैंगनीज की कमी के कारण लचक, बेहोशी, सुनने में कमी, कमजोर of कण्डरा और स्नायुबंधन हो सकते हैं।

मैंगनीज की अधिकता के अवशोषण के साथ हस्तक्षेप हो सकता है

### **तांबा\***

तांबे की कमी से एनीमिया या पेन्टीटोपेनिया

अतिरिक्त तांबा शरीर के रक्त सेलुलर घटकों के गठन में हस्तक्षेप कर सकता है,

### **आयोडीन\***

आयोडीन की कमी से अन्य समस्याओं के अलावा विकासात्मक देरी हो सकती है। K Roid अतिरिक्त आयोडीन थायरॉयड ग्रंथि के कामकाज को प्रभावित कर सकता है

### **विटामिन\***

विटामिन को शरीर में संश्लेषित नहीं किया जा सकता है या यदि यह सब संश्लेषित है, तो यह शरीर के लिए पर्याप्त नहीं है।

विटामिन को पानी में घुलनशील के रूप में वर्गीकृत किया जाता है

मनुष्यों में, 13 विटामिन होते हैं, जिनमें से 4 वसा-घुलनशील (ए. डी. ई. और के) और 9 पानी में घुलनशील (8 बी विटामिन और विटामिन सी) विटामिन होते हैं।

**विटामिन**

- विटामिन ए
- विटामिन बी 1
- विटामिन बी 12
- विटामिन बी 2
- विटामिन बी 3
- विटामिन बी 5
- विटामिन बी 6
- विटामिन बी 9
- विटामिन सी
- विटामिन डी

**फल और सब्जि में पोषण:-**

फल और सब्जि में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स, बहुमूल्य विटामिंस, मिनरल्स और पोषण तत्व जैसे विटामिन ए, बी, सी, डी और ई, कैरोटेनाइट्स, कोएजाइमस क्यू 10. पॉलीफेनोल्स, पोटेशियम, सेलेनियम और जिंक उन्ही जरूरतों को पूरा करते हैं। फल और सब्जियां हमारे सेहत के लिए बहुत जरूरी हैं। यह हमारे दैनिक आहार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है

**मांस मछली:-**

प्रत्येक 100 ग्राम मांस में 421 मिलीग्राम पोटेशियम 4 मिलीग्राम जस्ता 10-20 मिलीग्राम सेलेनियम, 73 मिलीग्राम कोलेस्ट्रॉल, 143 कैलोरी, 3.5 ग्राम वसा, 57 मिलीग्राम सोडियम 26 ग्राम प्रोटीन होता है। ग्राम चीन, आहार फाइबर और ओमेगा-3 वसायुक्त अम्ल के साथ लोहे की समृद्ध मात्रा

### क्वेश्चन एंड आंसर:-

1.क्वेश्चन-पोषण क्यों महत्वपूर्ण है।

उ. पोषण हमें ठीक से बढ़ने और विकसित होने में मदद करता है।  
और स्वास्थ्य को मजबूत करता है।

2.क्वेश्चन.प्रोटीन क्या है?

उ. यह एक जटिल भ्रूयाति युक्त कार्बोनिनक प्रदार्थ है जिसका गठन कार्बन, हाइड्रोजन, आक्सीजन एवं नाइट्रोजन तत्वों के भुजाओं से मिलकर होता है।

3. क्वेश्चन-प्रोटीन प्रदान करने वाले भोजन

1. अंडा
2. दही
3. चना
4. दाल
5. चिकन
6. बदाम



4. क्वेश्चन-कार्बोहाइड्रेट प्रदान करने वाले भोजन

- कद्दु
- आलू
- ओटस

5. क्वेश्चन-कैल्सिम प्रदान करने वाले भोजन

- नारियल
- अखरोट
- दुध
- पनीर

6.क्वेश्चन-विटामिन ए की कमी से होने वाला रोग

उ. रतौधी

7. क्वेश्चन-विटामिन बी की कमी से होने वाला रोग

उ. बेरी बेरी

**UNIT 6**  
**(PUBLIC RELATIONS IN HOSPITAL)**  
**(अस्पताल में जनसंपर्क)**

# SESSION-1

## (PUBLIC RELATIONS IN HOSPITAL)

### (अस्पताल में जनसंपर्क)

#### चिकित्सा की भूमिका और कार्यों का वर्णन :

परिचय मेडिकल रिसेप्शनिस्ट स्वास्थ्य सेवाओं के सबसे सामने स्टाफ का हिस्सा है वह रोगियों और अन्य परिजनों के लिए पहली कड़ी है जो पहली बार-बार किसी स्टाफ, डा. या हस्पताल के अन्य सदस्यों के पास आता है मेडिकल रिसेप्शनिस्ट के रूप में सेवा करने के लिए एक सामान्य इयूटी सहायक की आवश्यकता है ।

रिसेप्शन हस्पताल के प्रवेश द्वार के बिल्कुल पास स्थित होता है रिसेप्शन पर सभी रिसेप्शनिस्ट आने वाले आगुन्तुकों को अच्छा से सँभालते हैं ।

#### रिसेप्शन काउंटर का सेटअप

रिसेप्शन काउंटर के निम्न हिस्से हैं :-

1. रोगी का पंजीकरण काउंटर, नाम, पता, स्थान, माता का नाम, पिता का नाम,
2. रिकॉर्ड रूप (MRD) Medical Record Room
3. प्रतीक्षा कक्ष : रोगी के तीमारदार के लिए
4. सार्वनिक सेवाएँ
5. साइनेज सुविधाएँ :- कम सुनने वाले या बधिरों के लिए ।

- रिसेप्शन की भूमिका :-

रिसेप्शनिस्ट कि भूमिका एक मेडिकल में एक फ्रंट ऑफिस हस्पताल का एक विभाग है जो मरीजों के पहली बार आने पर उनसे सीधी बातचीत करता है। इस विभाग के कर्मचारी मरीजों या उनके परिवार के सदस्यों के लिए दृश्यमान हैं।

- रिसेप्शन के कार्य :-

रिसेप्शनिस्ट को यह सुनिश्चित करने के आवश्यकता है कि रोगी या उसके परिवार, रिश्तेदार, दोस्त द्वारा पेपर वर्क पूरा किया जाए।

- मेडिकल रिसेप्शनिस्ट स्वयं या एक या दो अन्य रिसेप्शनिस्ट के साथ काम करता है।
- हस्पताल रिसेप्शनिस्ट मरीजों को OPD के समय जाँच विभाग के स्थान आदि बताता है।
- कोई भी भीड़ या आपत्तिजनक सुविधा का प्रबंध करना।

- रिसेप्शनिस्ट के गुण:-

1. हस्पताल के विभागों की पूरी जानकारी
2. मरीज व मरीज के साथ वालों के साथ अच्छे से व्यवहार करना।
3. फ़ोन कॉल का विनम्र व शांतिपूर्ण जवाब देना।
4. मरीज का रिकॉर्ड रखना
5. 24 Hours सचेत रहना एक रिसेप्शनिस्ट का सर्व प्रथम गुण है।
6. कंप्यूटर वर्क अच्छे से आना।

# SESSION-2

## (आपातकालीन कॉल का जवाब देना)

**परिचय:-** मरीजों व डॉक्टरों के लिए आपातकाल की धारणा अलग हो सकती है ।

यह लैटिन शब्द “आर्जेस” से लिया गया है ।

जिसका अर्थ है “दबाना” जिसका अर्थ है जो जरूरी है उसे बिना देर किये करना होगा ।

**हस्पताल आपातकालीन शब्द:-** आपातकालीन शब्द का मतलब है कि जो काम बहुत आवश्यक है रोगी के लिए बिना देर किये हुए करना ।

जैसे :- हस्पताल में कोई मरीज सड़क दुर्घटना में घायल होना । उसे सबसे पहले और बिना समय बर्बाद किये उसका उपचार करना होता है ।

आपातकालीन कॉल सुविधा 24 घंटे उपलब्ध होती है ।

on कॉल न.108

आपातकालीन स्थिति में निम्नलिखित तरीकों से निपटारा किया जा सकता है :-

- शारीरिक रूप से ।
- टेलीफोन रूप से ।

शारीरिक रूप से :- हस्पताल में उपलब्ध विशेषज्ञ जैसे डॉक्टर, नर्स, अन्य समस्त स्टाफ ।

आपातकालीन स्थिति में डॉक्टर on कॉल ड्यूटी :-

आपातकालीन स्थिति में GDA या रिसेप्शनिस्ट सबसे पहले आपतकालीन डॉक्टर को सूचित करते हैं ।

हस्पताल या सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदारी है कि on कॉल चिकित्सा उचित समय पर दी गई है। एक अच्छा डॉक्टर मरीज की भलाई के लिए उसी हद तक आशावादी होता है जितना की वह स्वयं मरीज। मरीज से बीमारी की गंभीरता को छुपाये बिना भी वह आशा का सन्देश देता है, चाहे वह कैसी भी बीमारी हो, वह मरीज में भरोसा और आशा बनाये रखता है व कभी भी निराश होकर अपने हाथ खड़े नहीं करता।

- 108 आपातकालीन सेवा की प्रतिक्रिया :- हमारे भारत में 108 आपातकालीन सेवा का नंबर है। यह एक दिए जाने वाली सेवा है और जिससे एम्बुलेंस आती है और मरीज को देखभाल प्रदान की जाती है। भारत सरकार की कुछ सरकारी और कुछ प्राइवेट एम्बुलेंस भी होती हैं। एम्बुलेंस में एक ड्राइवर होता है जिसे कुछ सामान्य बातों का ध्यान रखना होता है जैसे ऑक्सीजन देना, CPR देना।
- एम्बुलेंस में एक अच्छी नर्स या GDA होता है कोई इमरजेंसी आती है तो GDA संभाल सकता है।
- टेलीफोन रूप से; किसी विशेषज्ञ या सामान्य सलाहकार द्वारा फ़ोन के रूप में संभाला जाता है।
- आपातकालीन कॉल का जवाब देना एक आपातकालीन है :- आपातकालीन कॉल का जवाब चिकित्सक डिस्पैचर एक पेशावर टेलीकम्यूनिकेटर है जिसे आपातकालीन चिकित्सक सेवाओं के आगमन से पहले चिकित्सा आपात स्थितियों से सम्बंधित जानकारी एकत्र करता है।

- आपातकालीन कॉल के दौरान GDA की भूमिका:-  
इमरजेंसी कॉल के दौरान GDA की विशेष भूमिका है :-
  - I. हस्पताल के बाहर आपातकालीन स्थिति की जानकारी देना, फ़ोन करने वाले व्यक्ति का नाम, पता, स्थान, फ़ोन न.समस्या की सामान्य और अन्य सारी जानकारी लेना।
  - II. आने वाली कॉल को प्राथमिकता देना ।
  - III. उपयोग करते हुए पीड़ित की मदद करने के लिए आने से पहले के साथ कॉल करने वाले को प्रदान करें ।
  - IV. सीपीआर एक आपातकालीन प्रतिक्रिया है ।
  - V. प्रतिक्रिया देने वाले संसाधनों को सूचना समर्थन प्रदान करें ।

# SESSION-3

**जनसंपर्क बनाये रखने से कंप्यूटर का उपयोग करना ।**

आजकल नई तकनीकियों का प्रयोग होता है हस्पताल कई कार्यों को करने के लिए कंप्यूटर पर भरोसा करते हैं चाहे वह मेडिकल रिकॉर्ड को स्टोर करने में डाटा की कैटलोगिंग या मेडिकल विभाग जैसे बुनियादी कार्य ।

**कंप्यूटर सहायक प्रौद्योगिकी के नियमित उपयोग:-**

1. कंप्यूटर सहायक प्रौद्योगिकी के नियमित उपयोग के आलावा जैसे कंप्यूटर में रोगी के लिए अन्य प्रयोग होता है ।
2. कंप्यूटर का उपयोग प्रशासनिक क्षेत्रों में बुनियादी कार्यों के लिए किया जाता है । staff की अटेंडेंस कंप्यूटर पर देखना , दैनिक, साप्ताहिक, मासिक, ड्यूटी schedule कंप्यूटर पर बनाया जाता है ।
3. स्टाफ की सैलरी अपडेट करना,
4. रोगी का रजिस्ट्रेशन करना, नाम पता, बीमारी आदि अपडेट करना।



# SESSION-4

**मरीज के परिचालक के साथ व्यवहार करना**

**मरीजों (रोगियों) की देखभाल उनके साथ एक GDA को कैसा व्यवहार करना चाहिए।**

**GDA को तनावपूर्ण स्थितियों के दौरान रोगी और रिश्तेदारों को जवाब देते समय निम्नलिखित बातों को याद रखना चाहिए ।**

- GDA को सबसे पहले अपना और मरीज का व्यवहार अच्छा रखन होगा और रोगी को समझाना होगा
- रोगी को समझाना होगा
- रोगी के परिवार के साथ अच्छा व्यक्तितत्व रखना होगा
- रक्षात्मक न हो भले ही रिश्तेदार उठाये गये बिंदु हानिकारक हों ।
- एक GDA की सोच रोगी के प्रति सकारात्मक होनी चाहिए ।
- यदि GDA किसी प्रश्न का उत्तर नहीं दे सकते हैं तो किसी अन्य GDA या डॉक्टर के सहयोग से रोगी की बात का उत्तर दें ।
- सुरक्षित नर्सिंग के लिए संगठन के लिए हस्पताल के प्रोटोकॉल को जाने ।
- संभावित हिंसा के संकेतों से सतर्क रहें ।

## प्रश्न- उत्तर

प्रश्न न.1 हॉस्पिटल रिसेप्शन कहाँ स्थित होता है ?

उत्तर:- रिसेप्शन हस्पताल के प्रवेश द्वार के बिलकुल पास होता है ।

रिसेप्शन पर सभी रिसेप्शनिस्ट आने वाले मरीजो को अच्छे से सँभालते हैं ।

प्रश्न न.2 रिसेप्शन काउंटर का सेटअप कैसा होता है ?

उत्तर:- रिसेप्शन काउंटर के विभिन्न हिस्से होते हैं जैसे

- i. रोगी का पंजीकरण काउंटर
- ii. रिकॉर्ड रूम
- iii. प्रतीक्षा कक्ष
- iv. सावर्जनिक सेवाएँ ।
- v. सायनिज सुविधाएँ ।

प्रश्न न.3 आपातकालीन क्या होती हैं:-

उत्तर:- यह लैटिन शब्द “आर्जेस” से लिया गया है जिसका अर्थ है दबाना,जिसका अर्थ: जो जरूरी है उसे बिना देर किये करना होगा ।

प्रश्न न.4 108 आपातकालीन सेवा क्या है:-

उत्तर:- हमारे भारत में 108 आपातकालीन सेवा का नंबर है । यह एक मुस्तैदी दी जाने वाली सेवा है जिससे एम्बुलेंस आती है और मरीज को सेवा या देखभाल प्रदान की जाती है ।

प्रश्न न.5. हस्पताल में कंप्यूटर के क्या-क्या प्रयोग होते हैं?

उत्तर:- हस्पताल में कंप्यूटर का उपयोग कई क्षेत्रों में लिया जाता है जैसे :-

- मेडिकल रिकॉर्ड को स्टोर करने के लिए

- मेडिकल बिलिंग के लिए
- स्टाफ की अटेंडेंस के लिए
- ड्यूटी schedule चेक करने के लिए
- रोगी के रजिस्ट्रेशन के लिए

प्रश्न न.6 मौखिक और अमौखिक कम्युनिकेशन के बीच क्या अंतर होता है :-

➤ मौखिक कम्युनिकेशन	➤ अमौखिक कम्युनिकेशन
➤ मौखिक कम्युनिकेशन में विचारों का आदान प्रदान बोलकर होता है ।	➤ अमौखिक कम्युनिकेशन में विचारों का आदान प्रदान शब्दों के प्रयोग के बिना किया है ।
➤ इस तरह के कम्युनिकेशन में गलती होने के चांस बहुत कम होते हैं ।	➤ इस तरह के कम्युनिकेशन में गलतियाँ होने के चांस बढ़ जाते हैं ।
➤ इस कम्युनिकेशन में बोलने वाले और सुनने वाले दोनों की जरूरत नहीं होती । बोलने वाला अपना सन्देश रिकॉर्ड करके भी भेज सकता है ।	➤ इस कम्युनिकेशन में सन्देश देने वाला और लेने वाला दोनों का होना जरूरी है क्योंकि कई बार यह सन्देश इशारों से भी दिया जाता है ।

प्रश्न न.7 रिसेप्शनिस्ट के क्या-क्या गुण होने चाहिए?

उत्तर:- एक रिसेप्शनिस्ट के अन्दर निम्नलिखित गुण होने चाहिए :-

- i. हस्पताल के विभागों की पूरी जानकारी

- ii. मरीज व मरीज के साथ वालों के साथ अच्छे से व्यवहार करना ।
- iii. फ़ोन कॉल का विनम्र व शांतिपूर्ण जवाब देना ।
- iv. मरीज का रिकॉर्ड रखना
- v. 24 Hours सचेत रहना एक रिसेप्शनिस्ट का सर्व प्रथम गुण है ।

प्रश्न न.8. आपातकालीन कॉल के दौरान GDA की क्या भूमिका होती है?

- i. हस्पताल के बाहर आपातकालीन स्थिति की जानकारी देना
- ii. आने वाली कॉल को प्राथमिकता देना ।
- iii. हस्पताल में विकसित मानकीकृत प्रोटोकॉल का उपयोग करते हुए पीड़ित की मदद करना ।
- iv. सीपीआर एक आपातकालीन प्रतिक्रिया का ज्ञान होना ।
- v. प्रतिक्रिया देने वाले संसाधनों को सूचना समर्थन प्रदान करना ।

प्रश्न न.9 रोगी के रिलेटिक्स को सँभालने में GDA का क्या रोल है ?

उत्तर:- GDA को तनावपूर्ण स्थितियों के दौरान रोगी और रिश्तेदारों को जवाब देते समय निम्नलिखित बातों को याद रखना चाहिए :-

- i. GDA को सबसे पहले अपना और मरीज का व्यवहार अच्छा रखना चाहिए ।
- ii. मरीज और उसके परिवार के साथ अच्छे सम्बन्ध बना के रखने चाहिए ।
- iii. मरीज की बात ध्यानपूर्वक सुननी चाहिए ।

- iv. यदि GDA की प्रश्न का उत्तर ना दे सके तो अपने साथी की या फिर डॉक्टर की सहायता लेनी चाहिये ।
- v. सुरक्षित नर्सिंग के लिए संगठन के प्रोटोकॉल का पता होना चाहिए ।

प्रश्न न.10. On Call ड्यूटी क्या होती है ?

उत्तर:- आपातकालीन स्थिति में GDA या रिसेप्शनिस्ट सबसे पहले आपातकालीन डॉक्टर को सूचित करते हैं, एक अच्छा डॉक्टर हमेशा मरीज के हित में काम करता है । मरीज से बीमारी की गंभीरता छुपाये बिना वह आशा का सन्देश देता है, चाहे वो कैसी भी बीमारी हो, डॉक्टर मरीज को भरोसा दिलाता है, हमेशा आशा जगाये रखता है, कभी अपने हाथ खड़े नहीं करता ।